हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

धनबाद, शुक्रवार
13 मार्च 2026
वर्ष : 03 अंक : 161
पृष्ठ : 08
मूल्यः 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने आईआ-ईटी रुड़की की पम्प्ड स्टोरेज जलविद्युत पर रिपोर्ट जारी की

हरिद्वार,(एजेंसी) : केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में पम्प्ड स्टोरेज हाइड्रोपावर (पीएसपी) की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की द्वारा तैयार रिपोर्ट ह्लभारत में पम्प्ड स्टोरेज हाइड्रोपावरः ड्राइव, पहल, बाजार वृद्धि और चुनौतियांह्व का विमोचन किया। विशेषज्ञों की सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश में नवीकरणीय ऊर्जा के तीव्र विस्तार को स्थायी बनाने के लिए बड़े पैमाने पर दीर्घ अवधि ऊर्जा भंडारण आवश्यक है, जिसमें पीएसपी एक सिद्ध और किफायती तकनीक है।

उन्होंने बताया कि भारत अगले दस वर्षों में 100 गीगावाट पीएसपी क्षमता जोड़ने की योजना पर कार्य कर रहा है, जिससे देश वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर पहुंच सकता है। सरकार ने इसके विकास को गति देने के लिए विभिन्न नीतिगत कदम उठाए हैं।

शेष पृष्ठ-4.....

व्यापारिक जहाजों पर हमले में 4 भारतीयों की मौत, भारत ने की निंदा

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारत ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने की कड़ी निंदा की है। व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने के चलते 4 भारतीय अपनी जान गंवा बैठे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अंतर मंत्रालयीय पत्रकार वार्ता में गुरुवार को बताया कि वर्तमान में पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण तीन भारतीयों की मौत हुई है और एक भारतीय लापता है। मरने वाले भारतीय हमले का शिकार बने व्यापारिक जहाजों पर कार्यरत थे।उन्होंने कहा, यही कारण है कि भारत व्यापारिक जहाजों पर किसी भी तरह के हमले की कड़ी निंदा करता है।

प्रवक्ता ने बताया कि अब तक हमने तीन भारतीय नागरिकों को खो दिया है और चौथा भारतीय नागरिक लापता है। हाल ही में एक भारतीय की मार्शल द्वीप समूह के ध्वज वाले जहाज सेफसी विष्णु पर हुई है। यह घटना इराक के पास घटी है। मंत्रालय उनके पार्थिव शरीर को भारत लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। **शेष पृष्ठ-4.....**

सुप्रीम कोर्ट में क्षेत्रीय बेंचों की हो स्थापनाः पी विल्सन

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राज्यसभा में गुरुवार को शून्यकाल में न्यायिक सुधारों का मुद्दा उठाते हुए द्रविण मुनेत्र कड़गम के सदस्य पी विल्सन ने सुप्रीम कोर्ट में क्षेत्रीय बेंचों की स्थापना की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों को आसानी से न्याय मिलेगा और न्याय व्यवस्था अधिक सुलभ बनेगी।

सांसद ने न्यायपालिका में सामाजिक प्रतिनिधित्व की कमी पर भी चिंता जताई। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में उच्च न्यायालयों में नियुक्त 593 न्यायाधीशों में से 473 यानी करीब 80 प्रतिशत अग्रणी समुदायों से हैं। वहीं सुप्रीम कोर्ट में फिलहाल केवल एक महिला न्यायाधीश, दो धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों से और एक न्यायाधीश अनुसूचित जाति से हैं, जबकि अनुसूचित जनजाति से कोई भी न्यायाधीश नहीं है। न्यायपालिका में व्यापक सामाजिक प्रतिनिधित्व जरूरी है, ताकि यह देश के समाज की विविधता को सही रूप में प्रतिबिंबित कर सके। इसके अलावा उन्होंने न्यायपालिका में न्यायाधीशों की कम संख्या का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि देश में जज-जनसंख्या अनुपात काफी कम है और उच्च न्यायालयों में बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं, जबकि स्वीकृत पदों की संख्या भी पर्याप्त नहीं है।

एलपीजी संकट पर पीएम मोदी ने लोगों से की अपील, शांति बनाए रखें और पैनिक न करें

कोरोना महामारी के दौर का उदाहरण देकर कहा कि इस संकट से उबर जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) : देश में एलपीजी सप्लाई को लेकर फैली अफवाहों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से शांति बनाए रखने और पैनिक न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा की सप्लाई चेन प्रभावित हुई है, लेकिन हमारी स-रकार संकट से निपटने में सक्षम है। पीएम मोदी ने तमिलनाडु में एनडीए की मीटिंग के दौरान सभी से सही जानकारी साझा करने और बिना पुष्टि के अफवाहें न फैलाने का आग्रह किया।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एलपीजी सप्लाई पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम बनाए हैं। मंत्रालय का कहना है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पहले की तरह जारी है और पैनिक खरीद से

स्थिति प्रभावित हो सकती है। इस-के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और अन्य राज्यों में जिला प्रशासन लोगों को अफवाहों से बचने की सलाह दे रहा है। केंद्र सरकार ने पहले ही एस्मा लागू किया है, इस-के तहत घरेलू गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जाती है और बीते छह महीनों के औसत के अनुसार सप्लाई बनाए रखने का निर्देश है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ मिलकर फैक्ट चेक करने और सही सूचना देने का काम शुरू कर दिया है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और पुलिस प्रमुखों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था और अफवाहों से उत्पन्न हालात को संभालने के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। वहीं पीएम मोदी ने कोरोना महामारी के दौर का उदाहरण देकर कहा कि तब 140 करोड़ भारतीयों ने देश की मजबूती दिखाई थी और अब भी हम इस संकट से जल्द ही उबर जाने वाले है। उन्होंने दोहराया कि सरकार की प्राथमिकता सभी नागरिकों के हितों की रक्षा करना है और किसी भी तरह के पैनिक की जरूरत नहीं है। जनता से अपील की गई है कि केवल सत्यापित सूचना को साझा करें और अफवाहों को आगे न बढ़ाएं। इस तरह, प्रशासन और केंद्र सरकार मिलकर एलपीजी संकट को नियंत्रित करने और लोगों को सही जानकारी देने में सक्रिय हैं।

सांसद गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

रांची, (एजेंसी) : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष-सह-लोकसभा सांसद गौरव गोगोई ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच आगामी असम विधान सभा चुनाव सहित झारखंड में चल रहे विभिन्न विकासात्मक योजनाओं के क्रियान्वयन एवं वर्तमान राजनीतिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू उपस्थित रहे।

मीडिया के सामने आए मोनालिसा और फरमान, शादी लव जिहाद नहीं, प्यार

हम दोनों ने अपना धर्म नहीं बदला

नई दिल्ली (एजेंसी) : महा-कुंभ 2025 में माला बेचती हुई वीडियो से वायरल हुई मोनालिसा भोंसले ने अब अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी खुशी पा ली है। 11 मार्च को उन्होंने अपने प्रेमी फरमान खान से केरल के अरुमानूर मंदिर (श्री नैनार देवा मंदिर) में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की है। दोनों की शादी को लेकर काफी मामला गमार्या, क्योंकि मोनालिसा हिंदू हैं और फरमान मुस्लिम है। कई लोगों और परिवार ने इस पूरे प्रकरण को लव जिहाद का नाम दिया। अब दोनों ने फिर मीडिया के सामने आकर बात की।मोनालिसा और फरमान ने तिरुवनंतपुरम में मीडिया से बात करते हुए अपना पक्ष रखा। मोनालिसा ने इस दौरान अपने पिता के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनके पिता अभी उनसे थोड़े नाराज हैं। कपल ने इस शादी को लव जिहाद नहीं प्यार का नाम

दिया। मोनालिसा ने बताया कि मेरी शादी हिंदू रीति-रिवाज से हुई है। यह लव जिहाद नहीं है। उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता उनकी शादी उनके बुआ के लड़के से करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इससे इंकार किया। मोनालिसा ने कहा, ह्यमैं उनसे शादी नहीं करना चाहती थी क्योंकि वह मेरे भाई जैसा है। मोनालिसा ने बताया कि वह अपने पापा से कल भी मिली थी। वे यहां आए थे। अभी वे थोड़ा नाराज है, लेकिन हम उन्हें जल्द मना लेने वाले है। वहीं मीडिया से बात करते हुए फरमान ने भी धर्मांतरण से जुड़े आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा, ह्यहममें से किसी ने भी अपना धर्म नहीं बदला है। आज भी मोनालिसा हिंदू हैं और मैं मुसलमान हूं। उन्होंने कहा कि प्यार में धर्म बदलने की जरूरत नहीं होती। शादी मोनालिसा की इच्छा के मुताबिक हिंदू रीति-रिवाज से हुई। फरमान ने यह भी खुलासा किया कि शुरू में उन्होंने मोनालिसा के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था, लेकिन बाद में मोनालिसा की जिद्द पर वे राजी हुए। फरहान ने बताया कि उत्तर प्रदेश के बागपत के रहने वाले हैं।

पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल आर एन रवि ने राज्य की विरासत को नमन किया, पूरी निष्ठा से सेवा का संकल्प

कोलकाता, 12 मार्च (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के 22वें राज्यपाल के रूप में शपथ लेने के कुछ ही घंटों बाद आर. एन. रवि ने राज्य की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को नमन करते हुए यहां की जनता की पूरी निष्ठा से सेवा करने का संकल्प व्यक्त किया।

पूर्व भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी आर. एन. रवि को कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पाल ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी, कोलकाता के महापौर फिरहाद हकीम तथा वाम मोर्चा के अध्यक्ष बिमान बोस सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन लोक भवन में किया गया।

शपथ ग्रहण के बाद अपने सोशल मीडिया संदेश में राज्यपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल जैसे महान राज्य की सेवा का अवसर मिलना उनके लिए सौभाग्य और विनम्रता का विषय है। उन्होंने कहा

कि यह वह भूमि है जो हजारों वर्षों से भारत की आध्यात्मिक, बौद्धिक और सांस्कृतिक राजधानी रही है।

अपने संदेश में उन्होंने पश्चिम बंगाल के ऐतिहासिक योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वह भूमि है, जहां वेदों की सनातन ज्ञान परंपरा विकसित हुई, जहां गौतम बुद्ध की शिक्षाओं को नई अभिव्यक्ति मिली और जहां भक्ति परंपरा का विस्तार हुआ।

उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में पश्चिम बंगाल की महत्वपूर्ण भूमिका का भी उल्लेख किया और चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद, बंकिम चंद्र चटर्जी, रवीन्द्रनाथ ठ-ाकुर, श्री अरविंद, सुभाष चंद्र बोस तथा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों को स्मरण किया।

उन्होंने कहा कि विदेशी आक्रमण और शासन के कठिन दौर में, जब देश की संस्कृति और पहचान को खतरा था, तब इसी भूमि ने अनेक महान व्यक्तित्वों को जन्म दिया।अपने संदेश के अंत में राज्यपाल ने मां दुर्गा से प्रार्थना करते हुए कहा कि उन्हें इस राज्य की जनता की पूरी निष्ठा से सेवा करने के लिए बुद्धि और शक्ति प्रदान करें।शपथ ग्रहण के तुरंत बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्यपाल और उनकी पत्नी का पारंपरिक उत्त-रीय भेंट कर स्वागत किया। संक्षिप्त बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल को सांस्कृतिक परंपराओं की भूमि बताया और कहा कि यहां के लोग उन सभी का सम्मान करते हैं जो इस राज्य से प्रेम करते हैं। आर. एन. रवि ने कोलकाता को देश की सांस्कृतिक राजधानी बताते हुए कहा कि ब्रि-टिश शासन के दौरान यह भारत की राजधानी भी रहा है। उन्होंने कहा कि वह राज्य के घटनाक्रमों पर निकट नजर रखेंगे।

मौत के मुहाने से निकलकर स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज पार कर सुरक्षित मुंबई पहुंचा भारत का तेल टैंकर

नई दिल्ली,(एजेंसी) : ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच छिड़ी भीषण जंग ने इस वक्त पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को हिलाकर रख दिया है। विशेष रूप से सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज (हॉर्मुज जलडमरूमध्य) वर्तमान में युद्ध का अखाड़ा बना हुआ है, जहाँ से वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। इस क्षेत्र में लगातार तेल टैंकरों को निशाना बनाए जाने और उन्हें डुबोए जाने की खबरों के बीच पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट को लेकर हाहाकार मचा है। लेकिन इस भीषण तनाव के बीच भारत ने अपनी सधी हुई और दूरदर्शी कूटनीति के दम पर एक असंभव लगने वाले कार्य को संभव कर दिखाया है।

लाइबेरियाई झंडे वाला विशाल तेल टैंकर शेनलोंग, जो सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर आ रहा था, सुरक्षित रूप से हॉर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर मुंबई बंदरगाह पहुंच गया है। यह घटना इसलिए असाधारण है क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद भारत की ओर आने वाला यह पहला जहाज है, जिसने इस खतरनाक समुद्री रास्ते से

निकलकर अपनी मंजिल तय की है। ज्ञात हो कि ईरान ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि वह अमेरिका और इजरायल के सहयोग वाले जहाजों को इस मार्ग से गुजरने नहीं देगा। ऐसे में शेनलोंग का सुरक्षित पहुंचना भारत की एक बहुत बड़ी कूटनीतिक सफलता मानी जा रही है। इस सफलता की पटकथा मंगलवार, 10 मार्च को लिखी गई थी, जब भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर लंबी और विस्तृत चर्चा की। ईरान द्वारा केवल चीन के जहाजों को रास्ता देने की घोषणा के बाद, जयशंकर ने मोर्चा संभाला और भारत की ऐतिहासिक दोस्ती व रणनीतिक स्वायत्तता का हवाला देते हुए भारतीय हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की। इस दौरान उन्होंने जर्मनी और दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रियों से भी संपर्क साधा ताकि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में भारत की स्थिति स्पष्ट रहे।

करीब 1,35,335 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर यह विशाल टैंकर बुधवार दोपहर 1 बजे मुंबई बंदरगाह पहुंचा और शाम को इसे जवाहर द्वीप पर बर्थ किया गया। इस जहाज पर भारत, पाकिस्तान और फिलीपींस के कुल 29 क्रू सदस्य सवार हैं। मुंबई पोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों के अनुसार, जहाज से तेल उतारने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसमें लगभग 36 घंटे लगेंगे। यह कच्चा तेल मुंबई के माहुल स्थित रिफाइनरियों में भेजा जाएगा, जो देश की ऊर्जा जरूरतों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि शेनलोंग स-ुरक्षित पहुंच गया है, लेकिन भारतीय नौवहन निदेशालय के अनुसार चुनौती अभी खत्म नहीं हुई है। वर्तमान में 28 भारतीय ध्वज वाले जहाज अब भी युद्ध प्रभावित क्षेत्र के आसपास मौजूद हैं। भारत ने अपनी सक्रिय कूटनीति के जरिए अब तक देश महिमा, स्वर्ण कमल और विशवा प्रेरणा जैसे 7 अन्य जहाजों को भी सुरक्षित जल क्षेत्र में पहुंचाने में सफलता हासिल की है। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि वैश्विक अस्थिरता के दौर में भी भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है।

लोकसभा में एलपीजी गैस मामले को लेकर जोरदार हंगामा

राहुल गांधी और पेट्रोलियम मंत्री आमने-सामने

स्पीकर ने विषय से भटकने पर रोका; हरदीप पुरी बोले- देश में गैस की कमी नहीं

नई दिल्ली,(एजेंसी) : लोकसभा में गुरुवार को एलपीजी संकट को लेकर जोरदार हंगामा देखने को मिला। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश में गैस सिलेंडर की कथित कमी और ऊर्जा सुरक्षा का मुद्दा उठाया, जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हस्तक्षेप करना पड़ा और उन्होंने राहुल गांधी को नोटिस में दिए गए विषय तक सीमित रहने को कहा।

सदन में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा, कि देश में एलपीजी संकट की स्थिति बनती दिख रही है। उन्होंने कहा, अभी तो दर्द की श-ुरूआत हुई है। कई रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं, सड़क किनारे के विक्रेता

प्रभावित हो रहे हैं और एलपीजी को लेकर लोगों में घबराहट है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी देश की मजबूत नींव उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है और इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यदि अमेरिका यह तय करे कि भारत रूस से तेल या गैस खरीद सकता है या नहीं, तो यह स्थिति समझ से परे है। इसी दौरान उन्होंने एक अन्य विवादित मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि तेल मंत्री खुद किसी समय एपस्टीन को अपना दोस्त बता चुके हैं। इस टिप्पणी के बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया।

हंगामा देख स्पीकर ओम बिरला ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए राहुल गांधी से कहा कि वे केवल उसी विषय पर बोलें, जिसके लिए उन्होंने नोटिस दिया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा करनी है तो उसके लिए अलग से नोटिस देना होगा। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी।हंगामे के बीच स्पीकर ने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को जवाब देने के लिए आमंत्रित किया। पुरी ने कहा कि देश में एलपीजी, पेट्रोल या डीजल की कोई कमी नहीं है और विपक्ष अनावश्यक रूप से माहौल बना रहा है। उन्होंने बताया कि भारत के पास पर्याप्त कच्चे तेल का भंडार है

संक्षिप्त खबरें

स्टेडियम में हाट लगाने के विरोध को नप अध्यक्ष ने लिया आड़े हाथ,कहा जनता के सहयोग से जाम मुक्त हो रहा है सरायकेला

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : नगर पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने साप्ताहिक हाट के कारण तीनों सड़कों पर लगने वाले भयानक सड़क जाम से मुक्त कराने के प्रयास में जनता के भरपूर सहयोग की सराहना की है।उन्होंने कहा कि जनता के साथ दुकानदारों का भी भरपूर सहयोग रहा, लेकिन कुछ कुंठित विचारधारा के लोगों का विरोध जारी है।उन्होंने हंसाउडी और बिरसा चौक के लोगों को आश्वस्त किया कि जीतने के बाद सबसे पहला कदम हंसाउडी, बिरसा चौक और संजय चौक को जाम मुक्त बनाने की दिशा में काम कर रहा हूं।उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियों, खिलाड़ी, दुकानदार और वार्ड वासियों सबका ध्यान रखते हुए एक सकारात्मक कदम उठाने की कोशिश की है, लेकिन उपायुक्त को लिखित शिकायत कर कुंठित विचारधारा और बचकानी हरकत से मेरी कोशिश में पानी फेरने की नापाक कोशिश जारी है।अध्यक्ष ने जनता को धन्यवाद दिया कि जिन्होंने खुलकर इस मुहिम में साथ दिया और वर्तमान तीनों रोड का जाम 80% मुक्त हो गया। उन्होंने कहा कि स्टेडियम खिलाड़ियों के कितने उपयोग में आता है, यह सबको पता है। सरायकेला शहर का इतिहास बेहद गौरवशाली रहा है, इसलिए वर्षों से उपेक्षित शहर के गौरव को बरकरार रखने के लिए आवश्यक बड़े कदम उठाने पड़ेंगे।उन्होंने जनता से अपील की कि वे उनके द्वारा जनहित में किए गए कार्यों पर सहमति प्रदान करें, जिससे भविष्य में जनहित में आवश्यक फैसले लेने में उन्हें और भी मजबूती मिलेगी।

फूड प्वाइजनिंग से सौ से अधिक ग्रामीण बीमार, दस कि हालत गंभीर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू जिले के सतबरवा प्रखंड के बोहिता गांव के पोखर पार टोला में फूड प्वाइजनिंग के कारण 100 से अधिक ग्रामीण बीमार हो गये हैं।इनके 10 लोगों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। इनका इलाज लेस्लीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा मेदिनीनगर भेजा गया है।पीड़ित लोगों को उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय पोखर पार टोला में स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा इलाज चल रहा है। बरामदे में जमीन पर लेटा कर इलाज किया जा रहा था।ग्रामीणों में अपरा तफरी की माहौल कायम है।बताया जाता है कि पोखर पार टोला निवासी हरिशंकर चंद्रवंशी के घर में बेटा का शादी था बारात के दिन आमंत्रित दोपहर के बाद ग्रामीणों को पूरी सब्जी तथा बंदिया का भोज कराया गया। बारात जाने के बाद भोज में शामिल ग्रामीणों की तबीयत बिगड़ने लगी सुबह होते ही 100 से अधिक लोग बीमार पड़ गए इसकी सूचना जनप्रतिनिधियों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेस्लीगंज को दी गई। आनन फानन में मेडिकल टीम पीड़ित गांव पहुंची तथा लोगों का इलाज शुरू किया।इस स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग में राज्य स्तरीय दिशा कमेटी के सदस्य अवधेश सिंह चेरो ने बताया कि काफी भयावह स्थिति है लोगों में अफरा तफरी मची हुई है।इस मौके पर प्रखंड प्रमुख रीमा देवी के पति युगल किशोर राम उप प्रमुख कामाख्या नारायण यादव जिला परिषद सदस्य के पति सह विधायक प्रतिनिधि अजय उरांव, आशीष सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि मनोज गुप्ता, विजय पाठक धीरज कुमार समेत कई लोग सहयोग में जुटे हुए हैं।

झारखंड से छत्तीसगढ़ जा रही एसी बस में लगी आग, यात्रियों में मची चीख-पुकार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड के रांची से छत्तीसगढ़ जा रही एक एसी बस में बुधवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। हालांकि ड्राइवर की सूझबूझ और तत्परता से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के मुताबिक एसी बस रांची से छत्तीसगढ़ जा रही थी। जब बस खरसीदाग इलाके में रिंग रोड पर पहुंची, तभी अचानक उसमें आग लग गई। आग लगते ही यात्रियों में चीफ पुकार मच गई। स्थिति को समझते हुए बस चालक ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाकर बस को सड़क किनारे रोका और दरवाजा खोलकर यात्रियों को बाहर निकाला। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया और बस धू-धू कर जलने लगी। कुछ ही मिनटों में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

इस घटना में करीब एक दर्जन यात्रियों का सामान जल गया, लेकिन राहत की बात यह रही कि किसी भी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभाला। खरसीदाग ओपी प्रभारी ने बताया कि बस में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। शुरूआती जांच में तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

जुगाड़ गाड़ी और ई रिक्शा में हुई सीधी टक्कर, दो की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

साहिबगंज : साहिबगंज जिला अंतर्गत बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर एवं पश्चिम बंगाल फरक्का मुख्य पथ पर गुरुवार को जीवनपुर गांव के समीप एक ई रिक्शा और जुगाड़ गाड़ी में टक्कर हो गई, जिससे ई-रिक्शा चालक सहित एक 60 वर्षीय वृद्ध की मौत इलाज के दौरान हो गई। मिली जानकारी के अनुसार पाकुड़ जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के विक्रमपुर के अजीजुर शेख,पिता अब्दुल सलाम एवं पाकुड़ जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुर निवासी 60 वर्षीय वृद्ध पोटला पहाड़िया ई रिक्शा से पश्चिम बंगाल से लौट रहे थे।तभी जीवनपुर के समीप विपरीत दिशा से एक जुगाड़ गाड़ी अवैध लकड़ी लेकर लौट रही थी। दोनों की गति काफी तेज होने के कारण आमने-सामने टक्कर हो गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को इलाज हेतु आसपास के लोगों के मदद से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटालपोखर ले जाया गया,जहां डॉक्टर के द्वारा इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर मामले की जानकारी मिलते ही कोटालपोखर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जुगाड़ गाड़ी को जप्त कर थाना लाया। कोटाल पोखर थाना प्रभारी चंदन कुमार भैया ने बताया कि इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।फिलहाल पोस्टमार्टम करने की प्रक्रिया आगे चल रही है मामले की जांच जारी है।

प्रख्यात साहित्यकार डॉ. शकुंतला मिश्र को मिलेगा पद्मश्री गिरधारी राम गौंझू स्मृति सम्मान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : हिंदी, क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषा-संस्कृति के संवर्धन और संरक्षण हेतु समर्पित संस्था झारखंड साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति ने वर्ष 2026 के अपने प्रतिष्ठित स्मृति सम्मानों की घोषणा कर दी है। समिति ने इस वर्ष का प्रतिष्ठित पद्मश्री डॉक्टर गिरधारी रामगंज जो स्मृति सम्मान-2026 प्रख्यात नागपुरी लेखिका, समीक्षक, उपन्यासकार डॉ. शकुंतला मिश्र को देने का निर्णय लिया है।

चयन एवं निर्णय समिति की त्रिसदस्यीय निर्णायक मंडली–शिरोमणि महतो (अध्यक्ष), नीरज नीर (सचिव) और विनोद राज ने सर्वसम्मति से डॉ. मिश्र के नाम पर मुहर लगाई। समिति के अनुसार, डॉ. मिश्र ने साहित्य सृजन और अकादमिक गतिविधियों के माध्यम से नागपुरी भाषा को समृद्ध करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। उनके दीर्घकालिक और महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए आगामी मार्च माह में आयोजित होने वाले एक भव्य समारोह में उन्हें इस सम्मान से नवाजा जाएगा।झारखंड के गुमला जिला अंतर्गत कदमटोली में जन्मी डॉ. शकुंतला मिश्र के पिता स्व. जोगेश्वर मिश्र एवं माता श्रीमती जगतारिणी मिश्र हैं। बचपन से ही साहित्यिक वातावरण में पली-बढ़ीं डॉ. मिश्र की मातृभाषा नागपुरी रही है, जिसके प्रति उनके मन में विशेष अनुराग रहा। उन्होंने ऐसे समय में नागपुरी भाषा को अपनी उच्च शिक्षा का माध्यम बनाया, जब इस भाषा में अध्ययन के अवसर सीमित थे। उन्होंने नागपुरी में स्नातकोत्तर (एम.ए.), एम.फिल, बी.एड और पी-एच.डी. की उपाधि प्राप्त की है।डॉ. मिश्र ने अपने करियर की शुरूआत एक विज्ञान शिक्षिका के रूप में की। तत्पश्चात उन्होंने लोहरदगा के बलदेव साहू महाविद्यालय में अध्यापन किया। इसके बाद वे आकाशवाणी, रांची में वरिष्ठ उद्घोषिका के पद पर रहीं, जहां उन्होंने नागपुरी और हिंदी भाषा के प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया। वर्तमान में वे झारखंड झरोखा प्रकाशन की निदेशक हैं, जहां उनके निर्देशन में 400 से अधिक क्षेत्रीय व जनजातीय भाषाओं की पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।डॉ.मिश्र नागपुरी भाषा परिषद की महासचिव नागपुरी साहित्य संस्कृति मंच की संस्थापक सचिव हैं। उन्होंने आकाशवाणी रांची में 31 वर्षों की लंबी अवधि तक नागपुरी एवं हिन्दी वरिष्ठ उद्घोषिका के रूप में सेवा दी है।डॉ. मिश्र की अब तक 40 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें प्रमुख हैं:व्याकरण एवं शब्दकोशः नागपुरी सदानी व्याकरण, सदानी नागपुरी-हिन्दी शब्दकोश।इतिहास एवं आलोचनाः नागपुरी भाषा साहित्य का इतिहास, नागपुरी साहित्य दर्पण, नागपुरी कर आधुनिक साहित्यकार।

लोहरदगा में 433 किलो गांजा के साथ ट्रक जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर लोहरदगा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।मिली जानकारी के अनुसार 12 मार्च की रात पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली कि एक बारह चक्का ट्रक में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर तस्करी की जा रही है और वाहन लोहरदगा जिला सीमा में प्रवेश कर चुका है। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर छापामारी दल का गठन किया गया।पुलिस टीम ने कुडू मोड़ रेलवे ओवरब्रिज के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रक के केबिन में रखे दो बक्सों से गांजा के पैकेट बरामद हुए। गिनती करने पर कुल 154 पैकेट पाए गए, जिनका कुल वजन 433 किलोग्राम निकला।पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में शमशेर अली (उम्र लगभग 48 वर्ष), निवासी मांडी, थाना मांडी, जिला सारण (बिहार) तथा इकराम खान (उम्र 55 वर्ष), निवासी फजाबाद रोड बाईपास, थाना नगर, जिला गोंडा (उत्तर प्रदेश) शामिल हैं।पुलिस ने ट्रक, 433 किलो गांजा और दो मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है। इस संबंध में लोहरदगा थाना कांड संख्या 52/26 दर्ज करते हुए एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वेदांत शंकर, पुनि सह थाना प्रभारी रलेश मोहन ठाकुर, पुअनि रवि रंजन कुमार, पुअनि पप्पू कुमार, सअनि अमरनाथ पांडेय सहित तकनीकी शाखा एवं लोहरदगा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

झारखंड में कई सचिव निजी भवनों में अस्पताल चला रहे, जयराम महतो का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची, : झारखंड विधानसभा में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के अनुपूरक बजट पर तीखी बहस हुई। बहस के दौरान विधायक जयराम महतो ने स्वास्थ्य व्यवस्था को यूरोपीय देशों के स्तर पर सुधारने की बात कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान स्वास्थ्य सेवाएं आम जनता से बहुत दूर हैं, जबकि निजी अस्पतालों का कारोबार राज्य की तुलना में बड़ा है। महतो ने आरोप लगाया कि कई सचिव निजी भवनों में अस्पताल चला रहे हैं। उन्होंने एनुअल हेल्थ चेकअप कानून की मांगकर बताया कि झारखंड में एक डॉक्टर 7,500 लोगों के लिए है, जबकि आवश्यकता 1,000 लोगों पर एक डॉक्टर की है। नर्सिंग सीटों में भी भारी कमी है और स्वास्थ्य पर राज्य का खर्च जीडीपी का केवल 1 प्रतिशत है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक हेमलाल मुर्मु ने अनुपूरक बजट का समर्थन कर कहा कि अबुआ दवाखाना गरीबों के लिए राहत देगा। उन्होंने रिम्स-2 और प्रत्येक जिले में ओल्ड एज होम की आवश्यकता पर जोर दिया। प्राइवेट अस्पतालों पर नियंत्रण के लिए रेगुलेटरी कमेटी बनाने की मांग भी उठाई। विधायक अरूप चटर्जी ने 108 एंबुलेंस सेवा में खामियों का मुद्दा उठाया, जबकि लुइस मरांडी ने सरकार की मांगों को जायज माना। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रिम्स-2 को अन्य स्थान पर बनाने का समर्थन किया और कहा कि लोग इलाज के लिए बड़ी दूरी तय कर रहे हैं। उन्होंने डॉक्टर और नर्स की कमी, एयर एंबुलेंस की खराब स्थिति और लाभुकों को धोती-साड़ी, दाल, नमक और चीनी वितरण में समस्याओं पर चिंता जाहिर की। विधानसभा में स्वास्थ्य और खाद्य वितरण में गंभीर कमी, प्राइवेट अस्पतालों का बढ़ता प्रभुत्व, सरकारी सुविधाओं में पारदर्शिता और नर्सिंग व डॉक्टर की भारी कमी को लेकर जोरदार बहस हुई। विधायक सुधार, निगरानी और बजट बढ़ाने की मांग कर रहे हैं ताकि आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा मिल सके।

खरसावां में रसोई गैस की भारी किल्लत, लोगों में उहापोह की स्थिति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के कारण शहर में कमर्शियल गैस सिलेंडरों के साथ साथ घरेलू उपयोग में लाये जाने वाले गैस सिलेंडरों की किल्लत शुरू हो गई है।खरसावां के चांदनी चौक स्थित एचपी के गोदाम में पिछले एक सप्ताह से ताला लटका हुआ है।खरसावां में घरेलू उपयोग के रसोई गैस सिलेंडरों की डिलीवर करने वाली गाड़ी पिछले एक सप्ताह से नहीं पहुंची है। रसोई गैस की किल्लत के कारण सरायकेला स्थित मुख्य गोदाम से खरसावां आने के क्रम में ही गैस के सिलींडर की बिक्री हो जा रही है।रसोई गैस के लिये सरायकेला खरसावां मुख्य मार्ग पर लोगों को जगह जगह खड़े हो कर गैस वाहन का इंतजार करते देखा जा रहा है। रास्ते में ही रसोई गैस सिलेंडर लाने वाली ट्रक को रोक कर लोग गैस की खरीदारी कर ले रहे है। गैस के लिए लोगों को घंटों तक खड़ा रहना भी पड़ रहा है। इंडेन गैस एजेंसी में भी

ऐसी ही स्थिति बनी हुई है।यहां भी लोगों को रसोई गैस के लिये मसक्कत करनी पड़ रही है।कई लोगों को तो घंटो लाइन में खड़े रहने के बाद भी गैस के सिलेंडर नहीं मिल पा रहे है। कुचाई के मरांगहातु स्थित इंडेन गैस के एंजेंसी में घरेलू गैस का स्टॉक है।कुछ हद तक परेशानी होने के बाद घरेलू गैस तो किसी तरह मिल जा रही है, लेकिन कमर्शियल गैस सिलेंडर मिलना बेहद मुश्किल हो गया है। कमर्शियल गैस के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।एजेंसी वाले अब व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का फोन तक नहीं उठा रहे हैं। कमर्शियल गैस को लेकर उहापोह की स्थिति बनी हुई है।यहां छोटे-छोटे फूड स्टॉल और ठेला लगाने वाले व्यापारी गैस की कमी से काफी परेशान हैं।कई दुकान संचालकों ने बताया कि अगर एक-दो दिन इसी तरह की स्थिति रही तो यहां भी होटल से लेकर छोटे-छोटे ठेला तक बंद होने की संभावना है।रसोई गैस की किल्लत होने के साथ ही सुखे लकड़ियों के साथ साथ कोयले की भी मांग बढ़ गयी है।लोग वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अपने अपने घरों में बाजार से सुखी लकड़ियों को खरीद कर स्टॉक कर रहे है, ताकि आने वाले दिनों में रसोई गैस न मिलने की स्थिति में लकड़ी के चुल्हे से भोजन तैयार किया जा सके। कई हॉटल संचालक तो अभी से ही सुखी लकड़ियों का उपयोग करना शुरू कर दिया है।

गुरुग्राम हादसा: रक्षा राज्य मंत्री ने पीड़ित परिवारों को सौंपे 20-20 लाख रुपए के चेक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : गुरुग्राम में हुए हृदयविदारक हादसे के प्रभावित परिवारों की मदद के लिए रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ की पहल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की गई है।इस हादसे में जान गंवाने वाले जमशेदपुर, ईचागढ़ और राजस्थान के श्रमिकों के आश्रितों को गुरुवार को गुरुग्राम में मुआवजा राशि और सहायता प्रदान की गई। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने खुद उपस्थित होकर प्रत्येक प्रभावित परिवार को 20-20 लाख रुपये का चेक और 20-20 हजार रुपये की नकद राशि सौंपी।चेक वितरण के दौरान गुरुग्राम के जिलाधिकारी अजय कुमार, पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा, एसडीओ दर्शन यादव और सहायक श्रमायुक्त अनिल शर्मा समेत जिला प्रशासन के कई वरीय अधिकारी उपस्थित

थे।मुआवजा राशि के साथ-साथ संबंधित कंपनी के अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों के एक-एक सदस्य को रोजगार के लिए ऑफर लेटर भी सौंपा है।संजय सेठ ने सबसे पहले सभी मृतकों के पार्थिव शरीरों को उनके पैतृक गांवों (ईचागढ़ और जमशेदपुर) भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई।सभी शवों को सम्मानपूर्वक एंबुलेंस के जरिए रवाना किया गया है।इस दौरान उन्होंने पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़ी है।संजय सेठ ने बताया कि कंपनी द्वारा दिए गए मुआवजे के अतिरिक्त हरियाणा सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत इन परिवारों को 19-19 लाख रुपये की सहायता राशि और दी जानी है।इसके लिए कुछ कागजी प्रक्रियाएं शेष हैं।उन्होंने जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां के उपायुक्तों को निर्देशित किया है कि वे गुरुग्राम जिला प्रशासन के निरंतर संपर्क में रहें। उन्होंने जोर दिया कि कागजी कार्रवाई में तेजी लायी जाए ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द पूरी मुआवजा राशि मिल सके।रक्षा राज्य मंत्री ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सहृदयता की सराहना करते हुए कहा कि उनके निर्देश पर ही जिला प्रशासन और कंपनी प्रबंधन के बीच वार्ता सफल हुई।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार मामले की जानकारी लेते रहे और प्रभावितों के प्रति संवेदनशीलता दिखाई।

आठ हजार रुपये रिश्वत लेते महिला पंचायत सचिव गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : गुमला में एसीबी द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुहिम जारी है।इसी मुहिम के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो रांची ने गुरुवार को गुमला जिले के बिशुनपुर प्रखंड में बड़ी कार्रवाई की है। बिशुनपुर प्रखंड स्थित सेरका पंचायत की महिला पंचायत सचिव किरण कुसुम खलखो को एसीबी ने घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा है। एसीबी के अनुसार आठ हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पंचायत सचिव को पकड़ा गया है। जानकारी के अनुसार यह मामला बिशुनपुर प्रखंड के चट्टी सेरका पंचायत की है।गांव के 52 वर्षीय परमेश्वर सिंह को ग्राम सभा द्वारा कुआं मरम्मत कार्य की जिम्मेदारी दी गयी थी। कार्य पूरा होने के बाद बकाया राशि के भुगतान और फाइनल बिल पास करने के एवज में पंचायत सचिव किरण कुसुम खलखो द्वारा आठ हजार रुपये की मांग की जा रही थी। भ्रष्टाचार के आगे झुकने के बजाये परमेश्वर सिंह ने एसीबी की शरण ली। लिखित शिकायत दर्ज करायी।शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने गुप्त तरीके से मामले का सत्यापन कराया। आरोप सही पाये जाने पर गुरुवार को भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 7(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी।गुरुवार को एसीबी की एक विशेष टीम ने बिशुनपुर ब्लॉक में घूसखोर को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। जैसे ही पंचायत सचिव ने परमेश्वर सिंह से रिश्वत की राशि स्वीकार की।पहले से मुस्तैद टीम ने उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।आरोपी को गिरफ्तार कर रांची ले जाने की प्रक्रिया चल रही है।इस गिरफ्तारी की खबर फैलते ही गुमला जिले के प्रशासनिक महकमे में अफरा-तफरी का माहौल है।अभी आरोपी महिला पंचायत सचिव से पूछताछ की जा रही है।

दो वाहनों के बीच जोरदार टक्कर, दो घंटे की कड़ी मशक्कत से निकला गया चालकों को

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग विष्णुगढ़ मार्ग पर हुटपा तरवा मोड पास दो मालवाहक गाड़ी के बीच जोरदार टक्कर हो गई।यह घटना गुरुवार की सुबह की है।टक्कर इतना जबरदस्त था कि दोनों वाहन के अगला हिस्सा का परखच्चे उड़ गए। इस घटना में दोनों वाहन के चालक गाड़ी में ही फंस गए।स्थानीय लोग और मुफ्फसिल पुलिस के सहयोग से कटर मशीन,जेसीबी और हाइड्रा मशीन के सहारे गाड़ी के अंदर फंसे चालक को बड़ी मशक्कत के दो घंटे बाद निकला गया और बेहतर इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया।ट्रक चालक का पैर कट गया, जबकि 407 पिकअप वाहन के चालक को भी पैर में गंभीर चोट लगी है। दोनों घायलों को तत्काल एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार खाली ट्रक जेएच 13एच 6056 बगोदर से हजारीबाग की ओर जा रहा था, जबकि 407 पिकअप वाहन जेएच 01 सीआर 5959 मुर्गी के चूजे लेकर हजारीबाग से बगोदर की ओर जा रहा था। इसी दौरान -हुटपा तरवा खरवा केपास दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों चालक वाहन के अंदर ही फंस गए थे।

डैम में डूबने से पोते की मौत, तीन दिन पहले दादा की हुई थी मौत गांव में पसरा मातम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : दुलमी प्रखंड के भालू गांव में गुरुवार को डैम में डूबने से एक युवक की मौत हो गयी।मृतक की पहचान भालू गांव निवासी नंदलाल महतो के इकलौते पुत्र राजन कुमार (19 वर्ष) के रूप में हुई है।वह इंटर का छात्र था।घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गयी है। जानकारी के अनुसार राजन कुमार गुरुवार को सुबह अपने कुछ दोस्तों के साथ नहाने के लिए पास के डैम गया था नहाने के दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा।साथियों के

शोर मचाने पर आस-पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद युवक को पानी से बाहर निकाला। इसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।बताया जाता है कि तीन दिन पहले ही युवक के दादा का निधन हुआ था और गुरुवार को उनका तीनकर्मा का कार्यक्रम था। इसी दौरान राजन कुमार नहाने के लिए डैम गया था, जहां यह दर्दनाक हादसा हो गया।घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मौके पर दुलमी सीओ किशोरी यादव, पूर्व जिप अध्यक्ष ब्रहमदेव महतो, छात्र नेता अनिल इग्नेश, राहुल महतो, पारसनाथ महतो, प्रदीप महतो, रामबृक्ष महतो, प्यारी महतो, मनोज महतो, समुंदर महतो, झलकु महतो, ठाकुरदास महतो, वीरेंद्र महतो, संजय कुमार, नागेश्वर महतो सहित कई लोग मौजूद थे।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से
मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादक:- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेल:-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

ग्रामीण उत्पाद प्रदर्शनी में हिस्सा लेने धनबाद से महिलाएं रांची के लिए रवाना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 13 मार्च से 15 मार्च तक रांची के खेल गांव में ग्रामीण उत्पाद प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए गोविंदपुर खरनी के कृषक उत्पादक संगठन गोविन्दपुर किसान साथी प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (एफपीओ) से 25 महिलाएं आज रांची रवाना हुई। प्रदर्शनी में महिलाएं अन्नपूर्णीका - कोयलांचल की पौष्टिक मिठास, ब्रांड के तहत गाय के शुद्ध घी से बने रागी लड्डू का स्टाल लगाएंगी। रांची रवाना होने से पहले उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने समाहरणालय के सभागार में सभी को शुभकामनाएं दी। उपायुक्त ने उत्पाद का ट्रेडमार्क करा लेने का सुझाव दिया। साथ में उत्पाद बिक्री के लिए धनबाद अंचल कार्यालय सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर स्थान उपलब्ध कराने को कहा। उत्पाद को और बेहतर बनाने के लिए उपायुक्त ने श्रेष्ठ क्वालिटी के मशीन व अन्य सामान देने का निर्देश जिला कृषि पदाधिकारी को दिया। उपायुक्त ने कहा जिला प्रशासन की यह पहल ग्रामीण महिलाओं को न सिर्फ रोजगार दे रही है, बल्कि उनकी आय भी बढ़ा रही है और उन्हें आत्मनिर्भर भी बना रही है। ये पौष्टिक रागी लड्डू आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों और समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचकर समाज के बेहतर पोषण में भी योगदान देंगे। यह सैकड़ों किसानों और महिलाओं के जीवन में बदलाव ला रहा है।वहीं डीएमएफटी पीएमयू के परियोजना प्रबंधक आजीविका और कौशल विकास अमर कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि रागी लड्डू, रागी का आटा, शुद्ध घी, गुड़ और सूखे मेवे मिलाकर बड़े प्यार और मेहनत से बनाए जाते हैं। लड्डुओं में सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, परंपरा और गांव की मेहनत की मिठास भी घुल जाती है। ग्रामीण उत्पाद प्रदर्शनी में हजारीबाग, बोकारो, सरायकेला खरसावां, गोड्डा, रामगढ़, गुमला, खूंटी, देवघर, लोहरदगा, पूर्वी सिंहभूम सहित अन्य जिलों के स्टॉल लगेंगे। मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, जिला कृषि पदाधिकारी अभिषेक मिश्रा, डीएमएफटी पीएमयू के अमर कुमार श्रीवास्तव, एफपीओ के सीईओ अब्दुल कयूम अंसारी, निदेशक अनुपम मोदी, श्रीमती अंजना देवी, श्रीमती अंजलि देवी के अलावा अन्य सदस्य मौजूद थे।

डुमरा के ज्वेलर्स दुकान में हुई चोरी की घटना में संदिग्धों की हो रही धरपकड़

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः बाघमारा थाना क्षेत्र के डुमरा हॉस्पिटल गेट के समीप भगवती अलंकार ज्वेलर्स में हुई इस बड़ी चोरी के मामले में पुलिस अब एक्शन मोड में नजर आ रही है। गुरूवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पुरूषोत्तम सिंह बाघमारा थाना पहुंचे। पुलिस द्वारा चोरी की घटना पर किये जा रहे अनुसंधान की समीक्षा की । घटना स्थल का भी जायजा लिया, दुकान मालिक से घटना की विस्तृत जानकारी ली। थानेदार अजीत कुमार को अनुसंधान तेज करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ताजा अपडेट के अनुसार, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने तकनीकी सेल और स्थानीय इनपुट के आधार पर रातभर विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की। हिरासत में लिए गए लोग संदिग्ध गतिविधियों में शामिल रहे हैं या नहीं इसका खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस उनका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इन संदिग्धों का संबंध उस गिरोह से है जो गैस कटर का इस्तेमाल करने में माहिर है, क्योंकि तिजोरी को जिस सफाई से काटा गया है, वह किसी पेशेवर गिरोह का काम लगता है। पुलिस घटना की रात डुमरा और आसपास के टावर लोकेशन में सक्रिय रहे संदिग्ध मोबाइल नंबरों की भी जांच की जा रही है। तोपचांची सर्किल इंस्पेक्टर असीम कमल टोपनो के नेतृत्व में जांच टीमें कई बिंदुओं पर काम कर रही हैं। पुलिस को अंदेशा है कि इस घटना में किसी 'लाइनर' का हाथ हो सकता है, जिसने चोरों को दुकान के पिछले हिस्से और तिजोरी की सटीक जानकारी दी है। पुलिस आसपास के थाना की पुलिस से भी संपर्क साध रही है ताकि हाल ही में जेल से छूटे ऐसे अपराधियों का मिलान किया जा सके जो सेंधमारी में शामिल रहे हैं। इधर सराफा व्यापारियों के बढ़ते दबाव के बीच पुलिस पर इस केस को जल्द से जल्द सुलझाने और चोरी गए माल की बरामदगी की भारी चुनौती है।

जाति प्रमाण पत्र बनाने की मांग को लेकर की नारेबाजी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : प्रधानखंता पहाड़धार बेदिया टोला में गुरुवार को झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक जितेंद्र बेदिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में बेदिया जाति के लोगों को प्रखंड कार्यालय द्वारो जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किए जाने से उत्पन्न समस्याओं पर चर्चा की गई।बांग्ला भाषा उन्नयन समिति के संस्थापक बेंगू ठाकुर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बेदिया जाति के छात्र-छात्राओं का जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं होने से इस जाति के बच्चों को आगे पढ़ाई के लिए काफी दिक्कतें हो रही है। लोग सरकारी लाभ पाने से वंचित हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि पूर्व में बेदिया जाति के लोगों द्वारा इस मुद्दे पर कई बार धरना, प्रदर्शन आयोजित किया गया। जिसमें बलियापुर बीडीओ एवं सीओ द्वारा बेदिया जाति के लोगों को जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने का आश्वासने दिया था। लेकिन अभी तक इस जाति के बच्चों को जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा। जिससे आक्रोशित लोगों ने बैठक में सरकार एवं प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारे लगाए। लोगों ने बेदिया जाति के लोगों को जल्द जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने की मांग सरकार एवं प्रशासन से की गई। बैठक में सागर बेदिया, सुनीता कुमारी, मनीषा कुमारी, परमिता कुमारी, चंद्रशेखर बेदिया, श्रीकांत बेदिया, राजेश बेदिया, तपन बेदिया समेत काफी संख्या में लोग थे।

धनबाद कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से जिला पुलिस ने चलाया सघन जांच अभियान

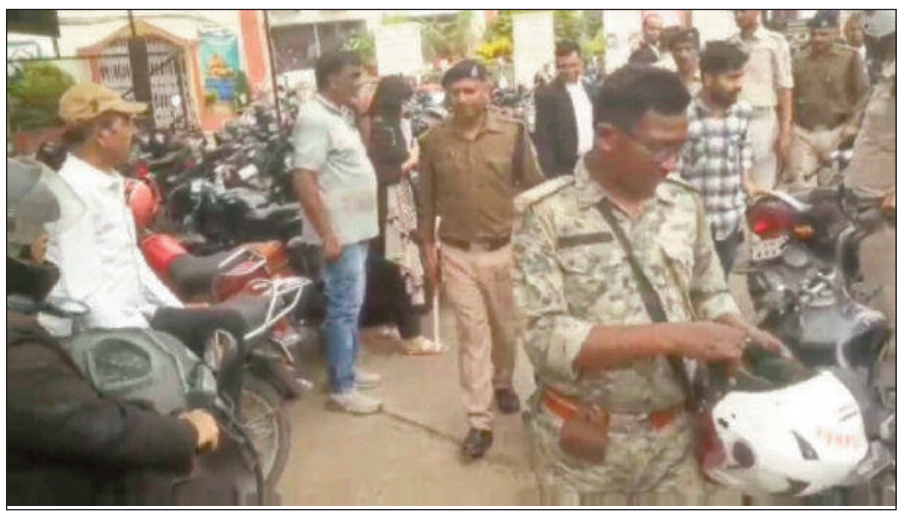

पुलिस प्रशासन ने कोर्ट परिसर को सुरक्षा के मद्देनजर डॉग स्क्वायड व मेटल डिटेक्टर के साथ चप्पे-चप्पे की जांच की

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पिछले एक माह से झारखंड के कई जिलों के सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी लगातार मिलने से जिला प्रशासन एवं न्यायपालिका से जुड़े लोग खासे परेशान बने हुए हैं। धनबाद सिविल कोर्ट को गुरुवार को फिर से बम से उड़ानें की धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड में नजर आयी ।सूचना मिलते ही पुलिस की टीम कोर्ट परिसर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर डॉग स्क्वायड व मेटल डिटेक्टर के साथ सघन जांच शुरू कर दी, लेकिन धमकी अफवाह निकली।इस जांच अभियान के दौरान डॉग स्क्वायड की मदद से कोर्ट परिसर के चप्पे- चप्पे की तलाशी ली गई।परिसर में खड़े सभी वाहनों की भी मेटल डिटेक्टर से जांच पड़ताल की गई।जिससे किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री की मौजूदगी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इस दौरान डीएसपी डीएन बंका, धनबाद थाना प्रभारी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहे। पुलिस कोर्ट परिसर में आनेजा ने वाले लोगों पर भी कड़ी नजर रखा गया था। मौके पर मौजूद डीएसपी डीएन बंका ने बताया कि वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर कोर्ट परिसर में संघन जांच पड़ताल की चल रही है, डॉग स्क्वायड की टीम भी इस जांच पड़ताल में शामिल है।वहीं धनबाद सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने बताया कि कोर्ट परिसर को बम से उड़ाने की धमकी फिर से मिली है,जिसके आलोक में कोर्ट की सघन जांच की गई है। यह दूसरी बार हुआ है कि कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।इस बार किसी दूसरे ईमेल के जरिए धमकी दी गई है। इससे पहले भी ऐसी धमकी मिलने के बाद पुलिस ने धनबाद कोर्ट परिसर के सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। इसी के मद्देनजर समय-समय पर डॉग स्क्वायड और सुरक्षा बलों की मदद से जांच अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन ताज्जुब कि बात यह है कि यह धमकी किसी अपराधिक संगठन या फिर शरारती तत्वों के द्वारा दिया जा रहा है, इसकी खुलासा न तो जिला पुलिस कर पा रही है, न ही झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से किया गया है। इस तरह की बार-बार सिविल कोर्ट को बम से उड़ानें की धमकी मिलने से वकील और मुक्किल दोनों परेशान हैं।

धनबाद में संघर्ष : बेकारबांध में युवकों के दो गुटों में जमकर चली लाठियां, दो घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए युवकों के दो गुटों के बीच सरेराह खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है। धनबाद सदर थाना क्षेत्र के बेकारबांध इलाके में गुरुवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब दर्जनों युवकों ने लाठी-डंडों से एक-दूसरे पर हमला बोल दिया। इस हिंसक झड़प में दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पूरा मामला आपसी रंजिश और कल हुई एक मारपीट का बदला लेने से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, बेकारबांध निवासी धर्मेंद्र कुमार बीते कल जियोमार्ट में काम के सिलसिले में गया था। वहां मौजूद वेंडरों ने उसका विरोध किया और बात बढ़ने पर करण नाम के एक वेंडर ने धर्मेंद्र की बेरहमी से पिटाई कर दी थी।कल की इसी टीस को लेकर गुरुवार को जब धर्मेंद्र ने बेकारबांध के समीप करण को रोककर पुरानी मारपीट के बारे में पूछताछ की, तो दोनों के बीच तीखी कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि करण ने फोन कर अपने 20 से 25 साथियों को मौके पर बुला लिया।जियोमार्ट में काम करने वाले ये युवक लाठी-डंडों से लैस होकर पहुंचे और धर्मेंद्र पर टूट पड़े।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सरेआम सड़क पर लाठियां बरसती रहीं और लोग दहशत में इधर-उधर भागने लगे। इस हमले में धर्मेंद्र कुमार का भाई गौतम कुमार और करण गुट का एक अन्य युवक बुरी तरह घायल हो गया है। दोनों के सिर पर गहरी चोटें आई हैं और खून से लथपथ हालत में उन्हें इलाज के लिए भेजा गया है।घटना की सूचना मिलते ही धनबाद सदर थाना की एएसआई सीमा किंडो दलबल के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने उग्र युवकों को खदेड़ा और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के अनुसार, यह विवाद पिछले दिन हुई एक मारपीट की घटना का परिणाम है। घायल व्यक्तियों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। धनबाद थाना की पुलिस वर्तमान में मामले की गहनता से जांच कर रही है और घटना स्थल के आस-पास के साक्ष्यों को एकत्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि आवेदन दिया जाएगा तो पुलिस उसके अनुसार विधि सम्मत कार्रवाई करेगी।

मरीजों पर 167 करोड़ खर्च, फिर भी इलाज के लिए बाहर जाने को मजबूर मरीज : रागिनी सिंह

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : झरिया विधायक रागिनी सिंह ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल परिसर में बने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के वर्षों से बंद पड़े रहने का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि लगभग 167 करोड़ रुपये की लागत से बना यह अत्याधुनिक अस्पताल आज भी शुरू नहीं हो सका। जिससे यह महज एक शोपीस बनकर रह गया है।

200 बेड का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाया गया

विधायक ने सदन को बताया कि वर्ष 2016 में केंद्र सरकार की योजना के तहत धनबाद में 200 बेड का सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनाया गया था। इस अस्पताल में 160 जनरल बेड व 40 आईसीयू बेड के साथ-साथ आठ मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और रेडियोलॉजी व पैथोलॉजी जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं भी स्थापित की गई है।

उन्होंने कहा कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार करीब 87 करोड़ रुपये आधुनिक मशीनों और उपकरणों की खरीद पर और लगभग 80 करोड़ रुपये भवन निर्माण पर खर्च किए गए हैं। इसके बावजूद अस्पताल का संचालन अब तक शुरू नहीं होना स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी विफलता को दर्शाता है।

इलाज के लिए धनबाद वासी रांची और कोलकाता जाने को मजबूर

रागिनी सिंह ने कहा कि धनबाद और पूरे कोयलांचल क्षेत्र के लाखों लोगों को आज भी कैंसर, हृदय रोग और न्यूरो जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए रांची और कोलकाता जाना पड़ता है। इससे गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है और कई बार समय पर इलाज नहीं मिलने से जान तक चली जाती है।विधायक ने सरकार से सवाल किया कि जब अस्पताल पूरी तरह तैयार है तो इसे चालू करने में आखिर इतनी देरी क्यों हो रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को जल्द से जल्द चालू करने की स्पष्ट समय-सीमा घोषित की जाए। कैंसर, कार्डियक और न्यूरो सेवाएं शुरू की जाएं। देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ जांच कर कार्रवाई की जाए।

लोदना क्षेत्र के नव चयनित लिपिकों व महिला कर्मियों के लिए राजभाषा कार्यशाला आयोजित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : लोदना क्षेत्र के नव चयनित लिपिकों एवं महिला कर्मियों के लिए गुरुवार को राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ महाप्रबंधक अनिल कुमार सिन्हा व एपीएम दीपक सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्यालय से आये बीसीसीएल के हिंदी अनुवादक अनिरुद्ध कुमार नोनिया एवं वंदना का स्वागत राजभाषा नोडल अधिकारी सौरभ सिंह ने पुष्प गुच्छ एवं पुस्तक देकर किया। सभी प्रतिभागी व मुख्य अतिथियों ने राष्ट्र गान एवं कोल इंडिया के कॉरपोरेट गीत गाए।मुख्यालय से आये अतिथियों ने हिंदी के बारे मे विस्तार से बताया,साथ ही शब्दावली अंग्रेजी से हिंदी, मानक हिंदी एवं अन्य कार्य हिंदी में करने के बारे में बताया। मुख्यालय की राजभाषा टीम ने राजभाषा हिंदी के संवैधानिक उपबंधो के अनुरूप किए जा रहे कार्यों का जायजा ली, कार्यशाला को सफल बनाने में बड़ा बाबू राकेश कुमार,किशोर कुमार, देवेन्द्र कुमार साव, लालटू रजवार, हीरु सहिस, सुमित कुमार,रौशन कुमार का योगदान रहा।

असर्फी अस्पताल में मरीज की मौत के बाद हंगामा, बकाया बिल को लेकर रोका गया शव

मेयर संजीव सिंह के हस्तक्षेप के बाद सौंपा गया शव

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद के असर्फी अस्पताल में गुरुवार को एक मरीज की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ।मृतक की पहचान डिगावाडीह निवासी संजीत सिंह उर्फ गुड्डू सिंह के रूप में हुई है। घटना के बाद अस्पताल परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बना रहा।जानकारी के अनुसार संजीत सिंह करीब आठ दिन पहले अपने घर में सीढ़ी से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया था।जहां पिछले आठ दिनों से उनका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान गुरुवार को उनकी हालत अचानक बिगड़ गई और डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मरीज की मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन और परिजनों के बीच बकाया बिल को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया।आरोप है कि

अस्पताल प्रबंधन ने बकाया राशि जमा नहीं होने तक शव देने से इनकार कर दिया। इस बात से नाराज परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया।मामले की सूचना मिलने के बाद धनबाद के मेयर संजीव सिंह अस्पताल पहुंचे और स्थिति को शांत कराने का प्रयास किया। मेयर ने अस्पताल प्रबंधन और परिजनों के साथ बैठक कर पूरे मामले पर बातचीत की। चर्चा के बाद मेयर ने बकाया बिल की समुचित राशि देने की घोषणा की।जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिजन शव को लेकर अंतिम संस्कार के लिए घर ले गए।मेयर संजीव सिंह ने कहा कि ऐसी संवेदनशील परिस्थितियों में अस्पताल प्रबंधन को मानवीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए ताकि परिजनों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

सदर अस्पताल के कुपोषण उपचार केंद्र का नीति आयोग की टीम ने किया औचक निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : गुरुवार को सदर अस्पताल परिसर में संचालित कुपोषण उपचार केंद्र का निरीक्षण करने के लिए नीति आयोग की एक टीम अचानक पहुंची। टीम ने केंद्र में करीब आधे घंटे तक रहकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कुपोषित बच्चों के इलाज से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान टीम के सदस्यों ने केंद्र में भर्ती बच्चों की संख्या, उनके स्वास्थ्य की स्थिति तथा उन्हें दी जा रही चिकित्सकीय सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली।अधिकारियों ने यह भी जाना कि बच्चों को किस प्रकार का पोषण आहार दिया जा रहा है और उनकी देखभाल के लिए क्या व्यवस्थाएं की गई हैं।टीम ने केंद्र में मौजूद चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों से भी बातचीत की।इस दौरान कुपोषण से पीड़ित बच्चों के उपचार की प्रक्रिया, दवाइयों की उपलब्धता, नियमित स्वास्थ्य जांच और पोषण आहार वितरण की व्यवस्था के बारे में चर्चा की गई।अधिकारियों ने यह भी देखा कि बच्चों के साथ आने वाली माताओं को किस प्रकार की सुविधा और परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है।निरीक्षण के दौरान केंद्र की साफ-सफाई, वार्ड की स्थिति और उपलब्ध संसाधनों का भी अवलोकन किया गया। टीम ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि केंद्र में भर्ती बच्चों को समय पर इलाज और पोषण मिल रहा है या नहीं।स्वास्थ्यकर्मियों ने टीम को बताया कि कुपोषण से ग्रसित बच्चों के उपचार के लिए केंद्र में आवश्यक दवाएं और पोषण सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए नियमित रूप से निगरानी भी की जाती है।करीब आधे घंटे तक निरीक्षण करने के बाद नीति आयोग की टीम अस्पताल परिसर से निकल गई।

13-03-2026 T.P. Page 4_Layout 1 13-03-2026 06:54 Page 1

संक्षिप्त खबरें

झामुमो परिवार लगातार बढ़ रहा : विनोद पांडेय

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झामुमो महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने गुरुवार को कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यालय में कोडरमा की पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष सह झामुमो नेत्री शालिनी गुप्ता एवं उनके समर्थकों के साथ औपचारिक मुलाकात हुई। पिछले दिनों पार्टी की सदस्यता लेने के उपरांत उनके साथ इस मुलाकात में संगठन को मजबूत करने की दिशा में सार्थक चर्चा हुई। इस अवसर पर कई लोगों ने झामुमो की सदस्यता ली। सभी का झामुमो परिवार में हार्दिक स्वागत और जोहार। कोडरमा जिला के कार्यकताओं द्वारा मिले सम्मान के लिए हार्दिक धन्यवाद और आभार। झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार लगातार बढ़ रहा है।मुख्यमंत्री के नेतृत्व में झारखंड को विकसित बनाने के लिए झामुमो का हरेक कर्मठ कार्यकर्ता संकल्पित है।

पुलिस के केस डायरी देने में विलंब पर हाईकोर्ट नाराज

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड हाइकोर्ट ने पुलिस द्वारा सरकारी वकीलों को केस डायरी उपलब्ध कराने में होने वाली अत्यधिक देरी पर सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने सुखदेव कर्मकार की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान इसे निराशाजनक स्थिति करार दिया। अदालत ने आश्चर्य व्यक्त किया कि जुलाई 2025 में दर्ज किए गए एक मामले में अब तक राज्य के वकील को केस डायरी उपलब्ध नहीं करायी गयी है। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि लगभग हर मामले में जब तक कोर्ट का आदेश नहीं होता, पुलिस केस डायरी नहीं भेजती है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि भविष्य में मामले की जानकारी मिलने के 10 दिनों के भीतर पुलिस को अनिवार्य रूप से केस डायरी सरकारी वकील को सौंपनी होगी।अदालत ने कहा कि केस डायरी उपलब्ध न होने के कारण कई बार मामलों को केवल डायरी मंगवाने के लिए स्थगित करना पड़ता है, जिससे न्याय में देरी होती है। अदालत ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया है कि भविष्य में देरी से बचने के लिए वकीलों को समय पर दस्तावेज उपलब्ध कराए जाएं। अदालत ने संबंधित मामले में निचली अदालत से केस डायरी तलब करते हुए अगली सुनवाई की तिथि 23 मार्च तय की है।

सरकारी कार्यालय शनिवार को खुले रहेंगे

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : बजट सत्र की कार्यवाही को देखते हुए शनिवार को सभी सरकारी कार्यालय खुले रहेंगे। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने इसे लेकर गुरुवार को अधिसूचना जारी की है। जारी अधिसूचना के अनुसार विधानसभा का पंचम बजट सत्र 18 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक आहूत है। इस दौरान 14 मार्च को विधानसभा की बैठक निर्धारित की गई है।विधानसभा से संबंधित कार्यों के निष्पादन को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया है। इसके तहत 14 मार्च (शनिवार) को सचिवालय, उससे संबद्ध सभी कार्यालयों तथा राज्य सरकार के अन्य कार्यालय, जहां सामान्यतः शनिवार को अवकाश घोषित रहता है, वे भी अन्य कार्य दिवसों की तरह खुले रहेंगे।

एनएसएस का सात दिवसीय शिविर शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : निर्मला कॉलेज की एनएसएस यूनिट 2 और 3 द्वारा गुरुवार को सात दिवसीय विशेष शिविर की शुरूआत की गई। डोरंडा स्थित बारीक टोली (ऊंचा कोचा और नीचा कोचा) में आयोजित कैंप का शुभारंभ ओरिएंटेशन कार्यक्रम के साथ हुआ। मुख्य अतिथि प्राचार्या डॉ. सिस्टर ज्योति ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयं से पहले सेवा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र है। उन्होंने जोर दिया कि बुजुर्गों और जरूरतमंदों की निस्वार्थ मदद से ही इस योजना का उद्देश्य सफल होगा। कार्यक्रम में डॉ. सिस्टर सुषमा, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. रंजू कुमारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

राज्य सरकार और आइसीएआर हैदराबाद के बीच हुआ महत्वपूर्ण समझौता, रांची की बेकन फैक्ट्री का होगा पुनरूद्धार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में गुरुवार को झारखंड विधान सभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में उद्यान निदेशालय, झारखण्ड एवं भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरू के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा की इस एमओयू से राज्य में उद्यानिकी क्षेत्र के विकास एवं विस्तार होगा। इसका सीधा फायदा किसानों को मिलेगा और उनकी आय में बढ़ोतरी होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान बेंगलुरू के साथ एमओयू होने से राज्य में फल, सब्जी, सजावटी, औषधीय, मशरूम फसलों में उत्पादकता, गुणवत्ता और मूल्य को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, बागवानी क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का उपयोग, अनुसंधान और प्रशिक्षण एवं सेवाएं उपलब्ध होंगी। इस समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर के अवसर पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रांची जिले में भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए जिला व चार्ज अधिकारियों तथा तकनीकी सहायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण रांची समाहरणालय, में 12 मार्च से 14 मार्च तक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर की गई, इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनगणना किसी भी देश के विकास के लिए योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण करने के लिए अति महत्वपूर्ण है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही भविष्य की योजनाएं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाता है। उन्होंने कहा कि लगभग डेढ़ दशक के बाद यह जनगणना कार्यक्रम आयोजित की जा रही है अतः सभी पदाधिकारी एवं कर्मी इसे पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सम्पन्न करें। इस अवसर पर प्रशिक्षण के प्रतिभागी अधिकारियों, जिनमें प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-चार्ज पदाधिकारी, सहायक चार्ज पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी और तकनीकी सहायक को कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही सभी बातों को ध्यानपूर्वक समझें एवं प्रशिक्षण को सफल बनाएं। प्रशिक्षण

कार्यक्रम में जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं, प्रश्नों के उपयोग, डेटा संकलन की प्रक्रिया तथा क्षेत्र में कार्य करने की सही तौर तरीकों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

जनगणना कार्य निदेशालय, रांची से आए हुए प्रशिक्षक केशव नायक आर., उप निदेशक तथा संजीव कुमार मांझी, सांख्यिकी अन्वेषक द्वारा सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक उदाहरणों एवं पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से मकानसूचीकरण एवं भवनों की गणना से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं को समझाया जा रहा है। त्रिदिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी संबंधित जिला एवं चार्ज अधिकारी तथा तकनीकी सहायक भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के उपरांत सभी चार्ज अधिकारी अपने-अपने चार्ज अंतर्गत जनगणना 2027 प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य संपन्न करेंगे। प्रशिक्षण में बताया गया कि इस बार की जनगणना पूर्ण रूप से डिजिटल माध्यम से सम्पन्न की जाएगी। मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रगणक हर घर व हर ब्लॉक का डेटा संकलन किया जायेगा। डिजिटल जनगणना से सूचनाओं का संधारण, तेजी, सटीकता एवं सम्यक तरीके से किया जा सकेगा।प्रशिक्षण कार्यक्रम में रामनारायण सिंह, अपर समाहर्ता, रांची,सुदर्शन मुर्मू, अपर समाहर्ता (नक्सल), कुमार रजत, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर रांची, क्रिस्टोफर बेसरा, अनुमंडल पदाधिकारी, बुंडू,संजय भगत, परियोजना निदेशक आईटीडीए, शशांक बेहरा, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, मनीषा तिर्की, कार्यपालक दंडाधिकारी, रविंद्रेंद्र मिश्र, सहायक निदेशक-सह-मास्टर ट्रेनर एवं संबंधित सभी सांख्यिकी कर्मी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, रांची सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रजरप्पा मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था होगी सख्त, प्रवेश-निकासी द्वार पर तैनात रहेंगे पुलिस व पुजारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : देश के प्रसिद्ध सिद्धपीठ स्थल रजरप्पा मंदिर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था को बेहतर बनाने को लेकर गुरुवार को मंदिर परिसर स्थित पंचवटी आश्रम में अहम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार ने की।इसमें मंदिर न्यास समिति के पुजारियों के साथ मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा की गयी।बैठक में निर्णय लिया गया कि मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार, निकासी द्वार, वीआईपी गेट और बिरला भवन सहित कई महत्वपूर्ण स्थानों पर आठ सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेंगे, ताकि पूरे परिसर की निगरानी प्रभावी तरीके से की जा सके।इसके अलावा प्रवेश और निकासी द्वार पर पुलिस के दो जवानों के साथ दो पुजारियों की भी तैनाती रहेगी।साथ ही यह भी तय किया गया कि किसी भी परिस्थिति में निकासी द्वार से किसी को भी प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा।बैठक के दौरान मां छिन्नमस्तिके देवी की पूजा का ऑनलाइन लाइव स्क्रीन दर्शन शुरू करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई, हालांकि इस पर फिलहाल सहमति नहीं बन सकी। गौरतलब है कि पिछले दिनों आदित्यपुर (जमशेदपुर) से आये एक श्रद्धालु के साथ उनके परिजनों के सामने पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट किये जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिसके बाद मामला पूरे राज्य में चर्चा का विषय बन गया था।घटना को गंभीरता से लेते हुए रामगढ़ के एसपी अजय कुमार ने नौ मार्च को जैप के चार जवानों और एक गृह रक्षक को निलंबित कर दिया था और मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिये थे।बैठक में मंदिर न्यास समिति के सचिव शुभाशीष पंडा सहित अजय पंडा, असीम पंडा, सुबोध पंडा, रितेश पंडा, लोकेश पंडा, राकेश पंडा, गुड्डू पंडा, ब्रजेश पंडा, अमित पंडा, छोटन पंडा, स्वरूप पंडा और विक्रम पंडा समेत कई लोग मौजूद थे।

नौ दिवसीय रामनवमी मेला को लेकर एसडीओ ने किया बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : चतरा के हंटरगंज प्रखंड में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त माता कौलेश्वरी पर्वत और तलहटी में रामनवमी के मौके पर लगने वाले 9 दिवसीय रामनवमी मेला की तैयारी को लेकर एसडीओ जहूर आलम ने कौलेश्वरी प्रबंधन विकास समिति के साथ एक बैठक किया। इस दौरान एसडीओ ने कालेश्वरी मेला के दौरान पूजा अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के सुविधा को लेकर कई बिंदुओं पर कालेश्वरी प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ चर्चा किया। इस दौरान पहाड़ पर पेयजल, रोशनी और सुरक्षा की व्यवस्था की तैयारी को लेकर एसडीओ ने गहन चर्चा किया। मौके पर उपस्थित समिति के सदस्यों और पुलिस प्रशासन के पदाधिकारी को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। कौलेश्वरी प्रबंधन समिति के द्वारा रामनवमी के मौके पर लगने वाले 9 दिवसीय रामनवमी मेला में पर्याप्त रूप से पेयजल, रोशनी की व्यवस्था करने की बात को एसडीओ के समक्ष रखा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई बिंदुओं पर प्रबंधन समिति के सदस्यों ने एसडीओ के साथ चर्चा किया। एसडीओ ने थाना प्रभारी को मेला के दौरान चुस्त दुरुस्त सुरक्षा व्यवस्था रखने का निर्देश दिया। एसडीओ जहूर आलम ने 9 दिवसीय विशाल कौलेश्वरी मेला की तैयारी आपसी सामंजस्य के साथ पूरा करने का निर्देश दिया। समय निर्धारण के बाद आगे होने वाले बैठक में सभी सदस्यों और पुजारी समिति को उपस्थित रहना अनिवार्य बताया गया है। इस बार कालेश्वरी महोत्सव दशहरा पर्व के दौरान कराए जाने का प्रस्ताव लिया गया। इस मौके पर कौशलेंद्र कुमार सिंह पिंटू सिंह कमल कुमार केसरी मिथिलेश श्रीवास्तव अशोक यादव, बसंती पन्ना सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

15 हजार रुपए रिश्वत लेते एसआई को एसीबी ने दबोचा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

हजारीबाग : हजारीबाग से आई भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एसीबी की टीम ने गुरुवार को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते चंदवारा थाना में पदस्थापित दारोगा पवन कुमार राम को गिरफ्तार किया। दारोगा पीड़ित प्रेम नायक से रिश्वल ले रहा था।इस दौरान पहले से मौजूद एसीबी की टीम ने उसे धर दबोचा।

सीईओ ने एसआईआर को लेकर राजनीतिक दलों के साथ की बैठक, बीएलओ बांटेंगे फॉर्म और घरों पर लगाएंगे संपर्क स्टीकर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की तैयारियां की जा रही है। इस हेतु राज्य में मतदाताओं को विगत गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से मैपिंग का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गहन पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ मतदाताओं के घरझघर जा कर इन्यूमेरेशन फॉर्म देंगी एवं फॉर्म भरे जाने के बाद उसे संग्रहित भी करेंगी। साथ ही सभी मतदाताओं के घरों पर बीएलओ द्वारा स्टीकर भी लगाए जाएंगे इन स्टीकरों में मतदाता के घर की संख्या एवं उनके बीएलओ का नाम एवं नंबर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे कोई भी नागरिक अपने बीएलओ से सम्पर्क कर मतदाता सूची से सम्बन्धित सहायता प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से छुटे नहीं इसे लक्ष्य बनाकर कार्य किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी गुरुवार को निर्वाचन सदन में झारखण्ड में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की तैयारियों से संबंधित जानकारियों को मान्यता प्राप्त

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ साझा कर रहे थे।के रवि कुमार ने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल सभी मतदान केंद्रों पर अपने बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति में तेजी लाएं जिससे आगामी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान समन्वय स्थापित करते हुए कार्य किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी बूथ लेवल एजेंट का मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से सम्बंधित ट्रेनिंग भी पूरी करवा लें जिससे जमीनी स्तर पर बीएलओ के साथ कार्य करते समय किसी प्रकार का संशय की स्थिति उत्पन्न न हो।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ एवं डुप्लीकेट से संबंधित सूची को बीएलओ द्वारा बीएलए से प्रमाणित करते हुए प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से सम्बंधित इन्यूमेरेशन फार्म, ड्राफ्ट पब्लिकेशन, एएसडीडी सूची, नोटिफिकेशन, एवं सुनवाई आदि सभी बिंदुओं पर विस्तृत रूप से जानकारी दी एवं उनके संशयों एवं सुझावों पर चर्चा की।इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, नोडल पदाधिकारी ट्रेनिंग देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर सहित सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

हाईकोर्ट का सख्त आदेश: डीपीआर स्वीकृत कर 31 दिसंबर तक पूरा करें सड़क निर्माण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्य में सड़क, पुल-पुलिया और नागरिक सुविधाओं के विकास को लेकर कोर्ट के स्वतः संज्ञान मामले पर झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई. मामले में हस्तक्षेपकर्ता के अधिवक्ता शुभम कटारुका की आग्रह को देखते हुए हाईकोर्ट की खंडपीठ ने उनके द्वारा सुझाए गए मोहल्ले सड़क का डीपीआर ग्रामीण विकास विभाग को 30 अप्रैल तक स्वीकृत करने का निर्देश दिया।साथ ही कहा कोर्ट ने कहा कि विभाग आवश्यक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर सड़क निर्माण कार्य 31 दिसंबर 2026 तक पूरा कर लिया जाए। वही हस्तक्षेपकर्ता ने कोर्ट को बताया कि जो डीपीआर वर्ष 2023

का बनाया गया है उसमें सड़क की चौड़ाई 12 फीट रखी गई है जो काफी कम है, इसमें तो दो कार का एक साथ चलना कठिन है।ऐसे में इस सड़क की चौड़ाई बढ़ाने का भी आदेश दिया जाए।कोर्ट ने इस संदर्भ में सरकार को याचिकाकर्ता के इस सुझाव पर भी विचार करने को कहा है।दरअसल, हस्तक्षेपकर्ता की ओर से पिछली सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि अरगोड़ा से नयासराय रोड के पास स्थित छह मुहल्ले राजेंद्र नगर, सिद्धि विनायक नगर, महुआ टोली, बेथलेहम नगर, धर्म कॉलोनी, लक्ष्मी नगर सहित अन्य मुहल्लों के सैकड़ों लोग बिना सड़क-नाली के रह रहे हैं।यहां की सड़क कच्ची है, मुख्य सड़क जाने वाले सड़क भी कच्ची है, जिससे सड़क में गड्ढे हो जाते हैं।इन सड़कों को दुरुस्त कराया जाए।हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की।

हाइवा ने बाइक सवारों को कुचला, दो की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : कोडरमा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-जमुआ मुख्य मार्ग स्थित जलवाबाद के समीप गुरुवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी।मृतकों की पहचान नवलशाही निवासी 62 वर्षीय दिनेश्वर ठाकुर और उसके दामाद गिरिडीह जिले के चिलगा निवासी 35 वर्षीय सचिन ठाकुर के रूप में हुई है।जानकारी के मुताबिक दोनों ससुर दामाद मोटरसाइकिल पर सवार होकर नवलशाही से कोडरमा की ओर चले आ रहे थे और उन दोनों के आगे स्टोन चिप्स लोड हाइवा कोडरमा की ओर से आ रहा था।इसी दौरान नगरखारा के समीप बाइक सवार ने हाइवा से ओवरटेक करने का प्रयास किया, दुर्भाग्य से इसी बीच मोटरसाइकिल हाइवा के चपेट में आकर फंस गया, हाइवा से फंसे होने के कारण मोटरसाइकिल समेत दोनों ससुर दामाद करीब 100 मीटर तक सड़क पर घिसटते हुए जलवाबाद तक पहुंच गए, जिससे चारो ओर चीख पुकार मच गई। इस भीषण सड़क हादसे में दोनों के शरीर के चिथड़े उड़ गए और उनके शरीर के टुकड़े सड़क पर बिखर गया। घटना की जानकारी मिलते ही कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान दल बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और हाइवा को जप्त करते हुए चालक खलासी को हिरासत में ले लिया।वहीं शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

झारखंड कैबिनेट: रांची वीमेस कॉलेज हॉस्टल बनेगा मोरहाबादी में, आउटसोर्सिंग कर्मी करेंगे जनगणना समेत 40 प्रस्तावों पर मुहर

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट की बैठक संपन्न हुई। कैबिनेट की बैठक में कुल 40 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है। कैबिनेट के फैसले के तहत मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना में संशोधन करते हुए तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रही छात्राओं को लाभ मिलेगा।इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड रिसर्च की स्थापना के लिए 22 करोड़ 3 लाख 31 हजार की स्वीकृत और इसके विरूद्ध भारत सरकार द्वारा 17 करोड़ का अनुदान कि अनुमति दी गई है।इसके अलावा रांची के वीमेंस कॉलेज में साइंस ब्लॉक में अनूसुचित छात्राओं के लिए 528 बेड वाले छात्रावास के निर्माण योजना के स्थल परिवर्तन होगा, वर्तमान में मोरहाबादी स्थित कल्याण कॉम्पलेक्स के सामने स्थित परिसर में छात्रावास का निर्माण होगा।जनगणना के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से कर्मी नियुक्त करने को

लेकर फैसला लिया गया है।श्री कौशक मिश्रा जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश समृद्धि निर्लंबित मुख्यालय रांची की अनिवार्य सेवा निवृत्ति की घटना उत्तर स्वीकृति प्रदान की गयी है।श्रीमती विमला देवी पति राम बिहारी तिवारी सेवानिवृत्ति लेखा लिपिक किस्मत पर कार्यरत थे, उनको दैनिक वेतन भोगी रूप में कार्यरत को जोड़कर पेंशन भुगतान का निर्णय लिया गया है।राज्य सरकार के विभिन्न विभाग निदेशालय बोर्ड निगम सोसायटी निकाय इत्यादि द्वारा किए जाने वाले इकरारना में आपूर्ति आदेश स्टैंडर्ड वेडिंग डॉक्यूमेंट गारंटी के रूप में परफॉर्मेंस सिक्योरिटी प्राप्त करने तथा डिस्प्यूट रेजोल्यूशन संशोधन,नेतरहाट आवासीय विद्यालय के शिक्षकों को प्रभावित पुनरीक्षित वेतनमान के 20% विशेष वेतन के अतिरिक्त भुगतान को स्वीकृति विधायक और पूर्व विधायकों को भारतीय प्रशासनिक सेवा और पुलिस सेवा में कार्यरत अधिकारियों की तरह उनके और उनके परिजनों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की कैबिनेट से पास किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

फतेहपुर प्रखंड के 153 स्कूलों में वार्षिक परीक्षा शुरू, 24554 बच्चे शामिल

12 से 19 मार्च तक दो पालियों में हो रही परीक्षा

पहली-दूसरी की मौखिक और तीसरी से आठवीं तक लुभा रही लिखित परीक्षा

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र के सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में पहली से आठवीं कक्षा तक की वार्षिक परीक्षा गुरुवार से शुरू हो गई। प्रखंड के कुल 153 प्रारंभिक विद्यालयों में आयोजित इस परीक्षा में 24554 छात्र-छात्राएं शामिल हो रहे हैं। परीक्षा 12 मार्च से 19 मार्च तक दो पालियों में ली जा रही है, जिसके लिए विद्यालयों में आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।जानकारी के अनुसार इस वर्ष परीक्षा में छात्रों को प्रश्न पत्र उपलब्ध नहीं कराया गया है। शिक्षकों द्वारा प्रश्नों को ब्लैकबोर्ड पर लिखकर परीक्षार्थियों से उत्तर लिखवाया जा रहा है। पहली और दूसरी कक्षा के छात्रों की परीक्षा मौखिक रूप से ली जा रही है, जबकि तीसरी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा को लेकर विद्यालयों में सुबह से ही छात्र-छात्राओं की चहल-पहल देखने को मिली। शिक्षक भी परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में जुटे रहे। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार राय ने बताया कि प्रखंड के 153 विद्यालयों में कुल 28040 बच्चे नामांकित हैं। इनमें 24554 बच्चे वार्षिक परीक्षा में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार सभी विद्यालयों में निर्धारित समय और नियमों के तहत परीक्षा आयोजित की जा रही है।

धनबाद मण्डल के गझंडी स्टेशन पर मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त,तीन वैगन बेपटरी

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद रेल मंडल के कोडरमा-गय रेलखंड के गझंडी स्टेशन पर बॉक्स एमटी मालगाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। मालगाड़ी का तीन वैगन अचानक पटरी से उतर गए, जिससे कुछ समय के लिए रेल परिचालन बाधित हो गया। आधी रात के इस हादसे के बाद रेलवे महकमे में हड़कंप मच गया और कई ट्रेनों को रास्ते में ही रोकना पड़ा। हालांकि रेलवे की त्वरित कार्रवाई से कुछ ही घंटों में मेन लाइन को बहाल कर ट्रेनों का परिचालन शुरू करा दिया गया। रेल सूत्रों से मिली जानकारी के गया-कोडरमा रेल सेक्शन के गझंडी स्टेशन पर बुधवार की देर रात करीब 2:20 बजे एक मालगाड़ी के तीन वैगन बेपटरी हो गए। यह घटना डाउन सेकेंड लूप लाइन पर हुई, जिससे कुछ समय के लिए रेल परिचालन प्रभावित हो गया। बताया गया कि मालगाड़ी के इंजन से चौथा, आठवां और नौवां वैगन अचानक पटरी से उतर गया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी, इंजीनियर और तकनीकी टीम मौके पर पहुंच गई। इसके बाद बेपटरी वैगनों को हटाने और ट्रैक को सुरक्षित करने के लिए राहत एवं मरम्मत कार्य तत्काल शुरू कर दिया गया। रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरी रात मशक्कत करते हुए राहत कार्य चलाया। करीब दो घंटे की कड़ी मेहनत के बाद गुरुवार की अहले सुबह लगभग 4:30 बजे मेन लाइन को क्लियर कर दिया गया, जिसके बाद ट्रेनों का परिचालन धीरे-धीरे सामान्य किया गया।

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में सफर के दौरान यात्री की मौत

गया जी (एजेंसी) (एजेंसी) : पुरी से आनन्दविहार जा रही 12801 अप पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान एक यात्री की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। ट्रेन के गया जंक्शन पहुंचने पर कोच संख्या एस-4 से यात्री के शव को आरपीएफ व जीआरपी ने प्लेटफार्म पर उतारा। मृतक की पहचान प्रमोद कुमार (निवासी रेवाड़ी, हरियाणा) के रूप में की गई है। वे अपनी पत्नी आशा रानी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पुरी से आनंद विहार तक यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें सांस लेने में परेशानी होने लगी। स्थिति गंभीर होते देख ट्रेन में ही मेडिकल सहायता के लिए सूचना दी गई। ट्रेन के गया जंक्शन पहुंचने पर रेलवे के डॉक्टर ने प्रमोद कुमार की जांच की। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। डॉक्टरों ने प्राथमिक रूप से हृदय गति रुकने को मौत का कारण बताया है। घटना के बाद आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

फारबिसगंज के सैयद आशिक हुसैन उर्फ टिंका की दोहा में बीमारी से मौत,परिवार में शोक

अररिया, (एजेंसी) : फारबिसगंज के आलम टोला निवासी 40 वर्षीय सैय्यद आशिक हुसैन उर्फ टिंका की कतर के दोहा में तीन दिन पहले बीमारी से मौत हो गई।मौत की सूचना पाने के बाद आलम टोला स्थित उनके घर पर मातमी सन्नाटा पसर गया और इलाके में शोक है। सैय्यद आशिक हुसैन उर्फ टिंका जदयू के वरिष्ठ नेता और फारबिसगंज नगर परिषद के पार्षद सैय्यद मीर अली उर्फ गुड्डू अली के छोटे भाई है।खबर से इलाके में शोक पसर गया है।सैय्यद आशिक हुसैन उर्फ टिंका का शव आज कतर के दोहा से नई दिल्ली लाया गया,जहां से उनके शव को फारबिसगंज लाया जाएगा मृतक के भाई सैय्यद मीर अली उर्फ गुड्डू अली ने गुरुवार को बताया कि सैय्यद आशिक हुसैन उर्फ टिंका चार भाइयों में सबसे छोटा था और पांच सालों से वह कतर के दोहा में कतर ट्रांसपोर्ट नामक कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर काम करता था। तीन साल से वह घर नहीं आया था और ईद के बाद वह घर आने वाला था।उनके साथ उनके कई नजदीकी रिश्तेदार भी दोहा में है,जिन्होंने टिंका के बीमारी से मौत हो जाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी शादी भागलपुर में 2011 में हुई थी और चार साल का एक बेटा भी है।वह पिछले एक साल से बीमार चल रहा था और कतर के दोहा में ही उनका इलाज किया जा रहा था।तबियत खराब होने के कारण तीन दिन पहले उनकी मौत हो गई।इससे पहले वह तीन साल पहले दोहा से घर आया था और ईद के बाद घर आने की बात कहा था।

दरभंगा में आरओबी एवं एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण में आएगी तेजी: संजय सरावगी

लोहिया चौक से पंडासराय आरओबी में जुड़ेगा एलिवेटेड कॉरिडोर

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सह नगर विधायक संजय सरावगी की उपस्थिति में एलिवेटेड कॉरिडोर व निमार्णाधीन छह आरओबी के प्रगति की समीक्षा की गई

पटना में उद्योग सह पथ निर्माण मंत्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई सड़कों को लेकर समीक्षा की गई

ऐतिहासिक तीनों तालाब के एकीकरण सहित कई प्रमुख सड़कों का होगा कायाकल्प : संजय सरावगी

दरभंगा, (एजेंसी) : दरभंगा शहर की सड़क जाम को दूर करने के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर और निमार्णाधीन आरओबी के निर्माण कार्य में अब तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि शहर के तीनों ऐतिहासिक तालाब हराही, दिग्घी और गंगासागर के एकीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य भी अब बिहार पुल निर्माण निगम द्वारा किया जाएगा। इन तीनों तालाबों के एकीकरण का कार्य शीघ्र आरंभ होगा। यह जानकारी बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी ने दी। पटना में उद्योग सह पथ निर्माण विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल की अध्यक्षता में आज एक बैठक हुई, जिसमें पथ निर्माण विभाग के अपर मुख्य सचिव पंकज पाल सहित पुल निर्माण विभाग के वरीय अधिकारी भी उपस्थित थे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने बताया कि बैठक में 1868 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत दरभंगा रेलवे स्टेशन से आमसझदरभंगा एक्सप्रेस-वे तक (भाया दोनार चौक, कपूर्री चौक) तथा कपूर्री चौक से एकमी चौक तक (भाया लहेरियासराय टावर, लोहिया चौक) मार्ग के अपग्रेडेशन एवं एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण को लेकर विशेष चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि बैठक में एलिवेटेड कॉरिडोर लोहिया चौक होते हुए पंडासराय में बन रहे आरओबी से भी जुड़ेगा, जिसके लिए सहमति बनी है।

उन्होंने कहा कि शीघ्र ही एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण की प्रगति जमीनी स्तर पर आमजन को दिखाई देने लगेगी। इस परियोजना के पूर्ण होने से शहर में यातायात की बड़ी समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी तथा लोगों को सुगम आवागमन के साथ तेज कनेक्टिविटी की सुविधा प्राप्त होगी। सरावगी ने बताया कि मंत्री दिलीप जायसवाल ने बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने तथा निर्माण की गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता न करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान शहर में निमार्णाधीन छह आरओबी यथा दिल्ली मोड़, दोनार चौक, पंडासराय, चट्टी चौक तथा कंगवा गुमटी के दोनों आरओबी के निर्माण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। दरभंगा के विधायक संजय सरावगी ने कहा कि शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए इन सभी आरओबी का निर्माण दरभंगा की बहुप्रतीक्षित मांग रही है। उन्होंने बताया कि दोनार आरओबी का निर्माण फोर-वे कनेक्टिविटी के साथ किया जा रहा है। दोनार चौक से सोनकी, भठियारीसराय, कपूर्री चौक तथा दरभंगा रेलवे स्टेशन की ओर चार दिशाओं में रास्ते उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि यह टू-लेन आरओबी होगा, जिसके ऊपर से एलिवेटेड कॉरिडोर भी गुजरेगा। यह आरओबी दरभंगा के सबसे व्यस्त इलाके में स्थित है, जहां हर दिन जाम की समस्या बनी रहती है। आरओबी के निर्माण से प्रतिदिन हजारों लोगों को राहत मिलेगी तथा यातायात व्यवस्था अधिक सुगम होगी।

उन्होंने बताया कि शहर के तीनों ऐतिहासिक तालाब हराही, दिग्घी और गंगासागर के एकीकरण व सौंदर्यीकरण का कार्य भी अब बिहार पुल निर्माण निगम द्वारा किया जाएगा। बैठक में इन तीनों तालाबों के एकीकरण का कार्य शीघ्र आरंभ कराने की बात कही गई। उन्होंने बताया कि तीनों तालाब के चारों तरफ नई तकनीक के साथ निर्माण कार्य होगा। वहीं शिवधारा से हरपुर तक जाने वाली 4.40 किमी लंबी सड़क के चौड़ीकरण का कार्य भी जल्द शुरू होगा। उन्होंने कहा कि बैठक में दरभंगा टावर सहित शहर की कई अन्य प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण को लेकर भी समीक्षा की गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी ने कहा कि दरभंगा का सर्वांगीण विकास, शहर को जाम से मुक्ति दिलाना तथा आधुनिक, सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था से सुसज्जित करना उनका वर्षों पुराना संकल्प रहा है। जनता के सहयोग से आज इन परियोजनाओं को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन सभी परियोजनाओं की प्रगति पर वह स्वयं व्यक्तिगत रूप से नजर रख रहे हैं, ताकि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा न शेष रहे और दरभंगा को जल्द से जल्द बेहतर यातायात व्यवस्था का लाभ मिल सके।

बंधन बैंक शाखा का किया गया विस्तार, अब फतेहपुर में मिलेगी नियमित बैंकिंग की पूरी सुविधा

विस्तारित शाखा का मुख्य पार्षद, पूर्व जिला पार्षद और बैंक के अधिकारी ने किया उद्घाटन

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र के रमराईचक स्थित बंधन बैंक शाखा का विस्तार कर उसे नए स्वरूप में शुरू किया गया। विस्तारित शाखा का उद्घाटन गुरुवार को फतेहपुर नगर पंचायत के मुख्य पार्षद रवि कुमार, पूर्व जिला पार्षद नागेंद्र यादव, बंधन बैंक के एडीएम, शाहिद अकबर अंसारी, एरिया मैनेजर अशोक कुमार और शाखा प्रबंधक अरविंद कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य पार्षद रवि कुमार ने कहा कि बैंकिंग सेवाओं का विस्तार क्षेत्र के आर्थिक विकास और लोगों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शाखा प्रबंधक अरविंद कुमार ने बताया कि पहले इस शाखा से मुख्य रूप से ऋण वितरण और जमा-निकासी की सीमित सुविधा दी जा रही थी। शाखा के विस्तार के बाद अब ग्राहकों को नियमित बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि ग्राहक अब जमा-निकासी के साथ-साथ आरडी, एफडी, आरटीजीएस और बीमा जैसी सुविधाओं का भी लाभ उठा सकेंगे। आने वाले समय में अन्य बैंकिंग सेवाएं भी चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएंगी, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर वित्तीय सेवाएं मिल सकेंगी।

उद्घाटन समारोह में गौरव कुमार, सुधांशु कुमार, प्रिंस कुमार, पवन कुमार, सत्येंद्र कुमार, राजीव कुमार, राम कुमार, सूरज कुमार समेत बैंक के कर्मचारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

दहेज हत्या मामले में पति को दस वर्षों का सश्रम कारावास

पूर्वी चंपारण,(एजेंसी) : द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विद्या प्रसाद ने दहेज हत्या में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को दस वर्षों का सश्रम कारावास एवं बीस हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाए है। अर्थ दंड नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

सजा मोतिहारी मुफ्फसिल थाना के पतौरा मठिया निवासी प्रिंस कुमार को हुई । मामले में छतौनी थाना के बड़ा बरियारपुर निवासी रामजी सिंह ने मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 644/2023 दर्ज कराते हुए मृतक के पति प्रिंस कुमार सहित उसके आधा दर्जन परिजनों को नामजद किया था। जिसमें कहा था कि उसकी पुत्री पूजा कुमारी की शादी 17 मई 2019 को प्रिंस कुमार से किया था। सभी नामजद लोग शादी के कुछ दिन बाद से ही दहेज में दो लाख रुपये तथा बुलेट मोटरसाइकिल की मांग करने लगे। दहेज की मांग पूरा नहीं करने पर वे लोग उसकी पुत्री को प्रताड़ित करते थे। 5 सितंबर 2023 को सूचना मिली कि उसकी पुत्री को नामजद लोग दहेज के लिए जहर देकर हत्या कर दिए हैं।

सत्र वाद 69/2024 विचारण के दौरान अपर लोक अभियोजक सुदामा बैठा ने छह गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन साक्ष्य रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद धारा 304बी में दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए है।

अनाथ बच्चे का सर्वे कराकर सूची उपलब्धता कराने का डीएम ने दिया निर्देश

अररिया (एजेंसी) : समाहरणालय स्थित आत्मन सभागार में डीएम विनोद दूहन की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की त्रैमासिक बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न बाल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में सहायक निदेशक, जिला बाल संरक्षण इकाई, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला चिकित्सा पदाधिकारी, सहायक निदेशक जिला अल्पसंख्यक कल्याण, श्रम अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, किशोर न्याय परिषद के सदस्य, जिला खेल पदाधिकारी अररिया सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि बाल संरक्षण अत्यंत संवेदनशील विषय है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ रुचि लेकर कार्य करें। उन्होंने जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस को निर्देश दिया कि जिले में अनाथ बच्चों का सर्वे कर उसकी रिपोर्ट 23 मार्च तक उपलब्ध करना सुनिश्चित करें।

इसके अतिरिक्त जिला पदाधिकारी ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया कि आरटीई के प्रावधानों का सही ढंग से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा का अधिकार मिल सके।बैठक में बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा बच्चों के हित में सभी विभागों को सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया।

विकास, संवाद और संकल्प, समृद्धि यात्रा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विकास पर जोर: अंजुम आरा

पटना, (एजेंसी) : जनता दल (यूनाईटेड) के प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा ने सोशल मीडिया संवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने पिछले दो दशकों में विकास, सुशासन और सामाजिक न्याय की जो नई दिशा देखी है, वह राज्य के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में सदैव याद की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल के दौरान बार-बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज की सेवा, समर्पण और जनता के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प है। इसी भावना के साथ वे लगातार बिहार के विभिन्न जिलों की यात्राओं के माध्यम से जनता के बीच जाकर विकास कार्यों की समीक्षा करते रहे हैं।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा के

दौरान उनका अररिया और किशनगंज जिलों का दौरा अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। इस दौरान उन्होंने न केवल चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की, बल्कि कई नई योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर इन जिलों के विकास को नई गति देने का कार्य किया।

प्रवक्ता अंजुम आरा ने कहा कि अररिया जिले में मुख्यमंत्री जी ने लगभग 546 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं का शिलापट्ट अनावरण किया। इनमें सड़कों और पुलों के निर्माण, प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने तथा जिले की आधारभूत संरचना को विस्तार देने से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने 157 करोड़ रुपये की लागत से 60 योजनाओं का उद्घाटन किया, 331 करोड़ रुपये की लागत से छह योजनाओं का शिलान्यास किया और 58 करोड़ रुपये की राशि से दो योजनाओं का शुभारंभ किया।

प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से भी सीधे संवाद किया। साइकिल योजना की छात्राओं, अक्षर आंचल योजना के लाभार्थियों, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के विद्यार्थियों, दिव्यांगजनों, किसानों तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थियों से बातचीत कर उन्होंने योजनाओं के प्रभाव की जानकारी प्राप्त की।

इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किशनगंज जिले का दौरा किया, जहां उन्होंने लगभग 235 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान 133 करोड़ रुपये की लागत से 73 योजनाओं का शिलान्यास तथा 102 करोड़ रुपये की लागत से 49 योजनाओं का उद्घाटन किया गया। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य सड़कों और पुलों का निर्माण, बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा प्रशासनिक संरचना को मजबूत बनाना है।

उन्होंने कहा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ठाकुरगंज बाईपास सड़क के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए।

किशनगंज में भी मुख्यमंत्री जी ने जीविका दीदियों से संवाद किया

तेलबीघा फाटक पर अंडरपास की मांग तेज, ग्रामीणों ने डीआरएम के नाम सौंपा आवेदन

दर्जनों गांवों के लोगों को रोज रेलवे ट्रैक पार करने की मजबूरी, हादसे की आशंका से दहशत

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गया-कोडरमा रेलखंड के पहाड़पुर और बंशीनाला स्टेशन के बीच स्थित तेलबीघा फाटक पर सुरक्षित आवागमन की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। रेलवे लाइन पार करने में हो रही गंभीर परेशानियों को लेकर आसपास के दर्जनों गांवों के ग्रामीणों ने पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के नाम आवेदन सौंपकर यहां शीघ्र अंडरपास निर्माण की मांग उठायी है। ग्रामीणों ने अपना आवेदन पहाड़पुर स्टेशन प्रबंधक विनोद कुमार को सौंपते हुए जल्द कार्रवाई की अपेक्षा जतायी।ग्रामीणों का कहना है कि शिला, सवलपुर, खैरा, बिलंदपुर, तेलबीघा, बडुआ, धनेता, भगवानपुर, करमाटांड़, तेतरिया, नावाडीह, तेतरखुट, सलैया, राजरामचक, गुरिसर्वे, भेटौरा और राघोपुर सहित दर्जनों गांवों के लोगों को प्रतिदिन इसी रेलवे लाइन को पार कर प्रखंड एवं जिला मुख्यालय जाना पड़ता है। शिला और धनवा गांव के पास से गुजर रही रेलवे लाइन के कारण स्थानीय लोगों, खासकर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और किसानों के लिए आवागमन बेहद कठिन और जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त स्थान पर न तो रेलवे ओवरब्रिज की व्यवस्था है और न ही कोई पुल-पुलिया बनी है। ऐसी स्थिति में लोगों को मजबूरीवश सीधे रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है। इससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्कूल जाने वाले बच्चों और खेतों में आने-जाने वाले किसानों के लिए यह रास्ता खास तौर पर खतरनाक साबित हो रहा है। ग्रामीणों ने डीआरएम से जनहित को ध्यान में रखते हुए तेलबीघा फाटक के समीप रेलवे अंडरपास निर्माण कराने की मांग दोहरायी है, ताकि क्षेत्र के हजारों लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।आवेदन सौंपने वालों में लालू यादव, कुलदीप यादव, संतोष कुमार, धीरेंद्र कुमार, कुलेश्वर प्रसाद, मुकेश कुमार और धनंजय कुमार समेत कई ग्रामीण शामिल हैं। इन ग्रामीणों ने चेतावनी भी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होंगे।

संपादकीय

लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव के मायने

हाल ही में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के विरुद्ध विपक्षी दलों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पर सदन मे सभी राजनीतिक दलों के संसद सदस्यों ने चर्चा कर अविश्वास प्रस्ताव को लेकर अपना-अपना मत रखा है। भारतीय संसद की कार्य प्रणाली और संसदीय परंपराओं को लेकर गंभीर बहस हुई है। पिछले 7 वर्षों से लोकसभा उपाध्यक्ष का पद भी खाली पड़ा हुआ है। इस पर भी विपक्षी दल के सदस्यों ने तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष को सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष का नेता माना जाता है। नेता प्रतिपक्ष को जिस तरह से बोलने नहीं दिया गया था। सदस्यों को बोलने के दौरान बार-बार टोंका जाता है। तरह-तरह के नियम बताकर सांसदों को अपनी बात नहीं कहने दी जाती है। बिना चर्चा और बिना प्रक्रिया के सदन से जो बिल पास किये जा रहे हैं। सत्र की अवधि लगातार कम किए जाने के कारण सदस्य अपनी बात संसद में नहीं रख पाते हैं इसको लेकर संसद सदस्यों में पिछली कई वर्षों से नाराजी देखने को मिल रही थी। सत्ता पक्ष जिस तरह से विपक्षी सदस्यों को बोलने से रोकता था आसंदी का सत्ता पक्ष के लिए अलग व्यवहार और विपक्ष के लिए अलग व्यवहार अविश्वास प्रस्ताव का कारण बना। लोकसभा अध्यक्ष का पद संविधान और संसदीय लोकतंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। लोकसभा का अध्यक्ष सभी सदस्यों का संरक्षक होता है। वह सरकार या किसी पार्टी का नहीं होता है। यह पद सदन की कार्यवाही निष्पक्ष और संतुलित ढंग से संचालित हो। सभी सदस्यों को अपनी बात कहने का अधिकार मिले। जो भी कानून और नियम बनाए जा रहे हैं उनमें सभी पक्षों की राय ली जाए। यह दायित्व लोकसभा के अध्यक्ष का होता है। सदन में किसी भी विषय पर स्वतंत्रता से संसद सदस्य अपनी बात रख सकते हैं। यदि कुछ नियमों के विपरीत होता है तो उसे हटाने का अधिकार भी अध्यक्ष के पास होता है लेकिन बोलने के पहले ही उसे रोक दिया जाए। पिछले 12 वर्षों में यह बहुत बार देखने को मिला है। यही अति अविश्वास का सबसे बड़ा कारण बनी। सत्ता पक्ष बहुमत में होता है। विपक्ष अल्पमत में होता है। ऐसी स्थिति में यह परंपरा रही है कि अध्यक्ष सरकार और विपक्ष के बीच जब टकराव होता है तो ऐसी स्थिति में वह मध्यस्थता करके तथा अपने अधिकारों का उपयोग करके सही निर्णय लेकर सदन की कार्रवाई को संचालित करने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती थी। पिछले कुछ वर्षों से सत्ता पक्ष का दबाव आसंदी पर देखा जा रहा था।

माया मरी न मन मरा, मर मर गये शरीर। आशा तृष्णा ना मरी, कह गये दास कबीर?

: कबीर

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्योंकि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।

: रहीम

तिरुचिरापल्ली से नई रेल क्रांति का उदघोष

दक्षिण,दक्कन और पूर्वी भारत को जोड़ने की दिशा में ऐतिहासिक कदम,रेल सेवाओं तक सीमित नहीं रहा। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 5,650 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजना ओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इनमें रेलवे,ऊर्जा,पेट्रोलियम अवसंरचना, ग्रामीण सड़क संपर्क और औद्योगिक विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाएँ शामिल हैं।

भारतीय रेल केवल पटरियों पर दौड़ती हुई धातु की गाड़ियाँ नहीं है। वह भारत की अर्थव्यवस्था, समाज और सांस्कृतिक संपर्क का सबसे बड़ा सेतु है। इस विशाल देश में जहाँ भौगोलिक दूरियाँ अनेक बार लोगों, बाजारों और अवसरों के बीच दूरी पैदा कर देती हैं,वहाँ रेल व्यवस्था उन्हें जोड़ने वाली जीवनरेखा का कार्य करती है। जब भी कोई नई रेल सेवा शुरू होती है,तो वह केवल एक परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं होती,बल्कि लाखों लोगों के जीवन में नई संभावनाओं का द्वार खोलती है। तमिलनाडु के ऐतिहासिक नगर तिरुचिरापल्ली ने आज ऐसा ही एक महत्वपूर्ण क्षण देखा,जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो अमृत भारत एक्सप्रेस,दो एक्सप्रेस रेलगाड़ियों और एक यात्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही केरल के एणार्कुलम से एक और पैसेंजर ट्रेन सेवा भी शुरू की गई। इन रेल सेवाओं के आरंभ के साथ

दक्षिण भारत,दक्कन और पूर्वी भारत के बीच संपर्क का एक नया अध्याय खुल गया है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा का महत्व केवल रेल सेवाओं तक सीमित नहीं रहा। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 5,650 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं में रेलवे, ऊर्जा,पेट्रोलियम अवसंरचना, ग्रामीण सड़क संपर्क और औद्योगिक विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाएँ शामिल हैं। यह पूरा कार्यक्रम इस बात का संकेत देता है कि आधुनिक भारत का विकास अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रह सकता,बल्कि उसे देश के हर क्षेत्र तक समान रूप से पहुँचना होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय रेल केवल परिवहन का साधन नहीं है,बल्कि यह देश की प्रगति और सामाजिक एकता की महत्वपूर्ण धुरी है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि पिछले वर्षों में रेलवे के व्यापक आधुनिकीकरण, नई ट्रेनों की शुरूआत,स्टेशन पुनर्विकास और रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण जैसे कदमों ने यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान की है। उनके अनुसार विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश के छोटे-छोटे शहर और कस्बे भी मजबूत परिवहन नेटवर्क से जुड़ेंगे।

इस संदर्भ में पोदानूर-धनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस की शुरूआत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। दक्षिण भारत का औद्योगिक शहर कोयंबटूर लंबे समय से देश के प्रमुख विनिर्माण केंद्रों में गिना जाता है। कपड़ा उद्योग,मशीन टूल्स,पंप निर्माण और छोटे-मध्यम उद्योगों की विशाल श्रृंखला ने इस शहर को दक्षिण भारत की औद्योगिक राजधानी जैसा स्थान दिलाया है। यहाँ के कारखानों की मशीनों की निरंतर आवाज केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था का संकेत नहीं है, बल्कि यह भारत के औद्योगिक तंत्र की धड़कन भी है। फिर भी एक विडंबना लंबे समय से बनी हुई थी कि इतना बड़ा औद्योगिक केंद्र होने के बावजूद कोयंबटूर का पूर्वी भारत के खनिज और ऊर्जा क्षेत्र से सीधा रेल संपर्क नहीं था। अब यह स्थिति बदल गई है। पोदानूर से धनबाद तक चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस पहली बार दक्षिण भारत के इस औद्योगिक क्षेत्र को झारखंड के कोयला और इस्पात क्षेत्र से सीधे जोड़ती है। पोदानूर जंक्शन कोयंबटूर का दूसरा प्रमुख रेलवे केंद्र है और यही इस नई ट्रेन का प्रारंभिक स्टेशन है। इसके कुछ ही समय बाद यह कोयंबटूर जंक्शन पहुँचती है, जिससे यात्रियों को इस सेवा का लाभ लेने के लिए दो प्रमुख स्टेशन उपलब्ध हो जाते हैं। पहले कोयंबटूर या तिरुप्पुर से झारखंड और पूर्वी भारत जाने वाले यात्रियों को चेन्नई,विजयवाड़ा या अन्य बड़े जंक्शनों पर ट्रेन बदलनी पड़ती थी। इससे यात्रा लंबी,जटिल और थकाऊ हो जाती थी। नई अमृत भारत एक्सप्रेस इस व्यवस्था को सरल और सुगम बनाती है।

यह ट्रेन अपने मार्ग में सेलम, रेनिगुंटा,विजयवाड़ा,झारसुगुड़ा और राँची जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों से होकर गुजरती है। इस प्रकार यह रेल सेवा केवल दो शहरों को नहीं जोड़ती,बल्कि दक्षिण भारत के औद्योगिक गलियारे और पूर्वी भारत की ऊर्जा पट्टी के बीच एक नया आर्थिक सेतु स्थापित करती है।

कोयंबटूर और तिरुप्पुर की पहचान केवल उद्योगों से नहीं है। यह क्षेत्र देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले लाखों प्रवासी श्रमिकों का भी प्रमुख केंद्र है। झारखंड,बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से हजारों युवा रोजगार की तलाश में यहाँ आते हैं और करघों,कारखानों तथा निर्माण स्थलों पर काम करते हैं। उनके श्रम से ही इस क्षेत्र की औद्योगिक मशीनरी निरंतर गतिशील बनी रहती है। इन श्रमिकों के लिए अपने घर लौटना कई बार एक कठिन निर्णय बन जाता था। दो हजार किलोमीटर से अधिक की दूरी,कई बार ट्रेन बदलने की मजबूरी, भीड़ भरे प्लेटफॉर्म और अनिश्चित समय - यह सब उस यात्रा को और अधिक कठिन बना देता था जो पहले से ही भावनात्मक रूप से भारी होती है। अमृत भारत एक्सप्रेस उनके लिए घर लौटने की इस यात्रा को सरल और सुगम बनाती है। अमृत भारत एक्सप्रेस को विशेष रूप से सामान्य यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह पूरी तरह गैर-एसी,किफायती किराए वाली और बिना डायनामिक किराया प्रणाली वाली ट्रेन है। इसका उद्देश्य उन लोगों को बेहतर यात्रा सुविधा देना है जिनके लिए रेल ही सबसे विश्वसनीय और सुलभ साधन है। आधुनिक स्लीपर और जनरल कोच,बेहतर बैठने की व्यवस्था, स्वच्छता और अपेक्षाकृत अधिक गति-ये सभी सुविधाएँ अब उन यात्रियों को भी उपलब्ध हो रही हैं जिन्हें पहले केवल प्रीमियम ट्रेनों में मिलने वाली सुविधाएँ ही मिलती थीं। दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष कोच भी इस सेवा का हिस्सा हैं, जिससे यात्रा अधिक समावेशी बनती है। दक्षिण भारत के लिए एक और महत्वपूर्ण रेल सेवा नागर कोइल-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के रूप में शुरू हुई है। भारत के सबसे दक्षिणी छोर कन्याकुमारी के निकट स्थित नागरकोइल लंबे समय से तीर्थयात्रियों, मछुआरों और समुद्री जीवन से जुड़े समुदायों का प्रमुख क्षेत्र रहा है। फिर भी यह क्षेत्र दक्कन के बड़े आर्थिक केंद्रों से अपेक्षाकृत दूर रहा। नागरकोइल से हैदराबाद की यात्रा अक्सर लंबी और जटिल होती थी, जिसमें कई बार ट्रेन बदलनी पड़ती थी। नई अमृत भारत एक्सप्रेस इस दूरी को कम करते हुए तमिलनाडु,आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के अनेक जिलों के बीच सीधा संपर्क स्थापित करती है। यह रेल सेवा विद्यार्थियों, कामगारों,व्यापारियों और तीर्थयात्रियों के लिए नई संभावनाएँ खोलती है। इसके अतिरिक्त रामेश्वरम-मंगलुरु एक्सप्रेस और तिरुनेलवेली-मंगलुरु एक्सप्रेस जैसी नई रेल सेवाएँ तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों को जोड़ती हैं। रामेश्वरम हिंदू धर्म के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है और रामनाथस्वामी मंदिर के दर्शन के लिए हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहाँ आते हैं। नई रेल सेवा से तीर्थयात्रियों की यात्रा और अधिक सुगम हो जाएगी। दूसरी ओर मंगलुरु कर्नाटक का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर है,जहाँ व्यापार और शिक्षा के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। इन नई ट्रेनों से छात्रों,व्यापारियों और पेशेवरों को बेहतर संपर्क मिलेगा। क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए मयिलादुथुराई - तिरुवरूर- काराईकुडी पैसेंजर ट्रेन सेवा भी शुरू की गई है। यह सेवा कावेरी डेल्टा के कृषि प्रधान क्षेत्रों को जोड़ती है और किसानों, विद्यार्थियों तथा स्थानीय व्यापारियों के लिए दैनिक आवा गमन को सरल बनाती है। इसी प्रकार पालक्काड-पोल्लाची पैसेंजर सेवा तमिलनाडु और केरल के सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच संपर्क को और मजबूत करती है। रेल सेवाओं के विस्तार के साथ- साथ आधारभूत ढाँचे का आधुनिकी करण भी किया जा रहा है। केरल में शोरनूर,कुट्टिप्पुरम और चंगनास्सेरी रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किया गया है। आधुनिक प्लेटफॉर्म,लिफ्ट, एस्केलेटर, बेहतर प्रतीक्षालय और मुफ्त वाई-फाई जैसी सुविधाओं से युक्त ये स्टेशन आधुनिक भारत के नए रेलवे ढाँचे का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। इसके साथ ही शोरनूर- निलांबुर रेलवे लाइन के विद्युती करण को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया है। लगभग 65 किलोमीटर लंबी इस परियोजना से डीजल इंजनों पर निर्भरता कम होगी,यात्रा समय घटेगा और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। रेल परियोजनाओं के अतिरिक्त प्रधानमंत्री ने ऊर्जा और आधारभूत संरचना से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं का भी शुभारंभ किया। नीलगिरि और इरोड जिलों में सिटी गैस वितरण नेटवर्क,चेन्नई के मनाली क्षेत्र में इंडियन ऑयल का ल्यूब ब्लेंडिंग प्लांट और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत ग्रामीण सड़कों का निर्माण जैसी परियोजनाएँ क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेंगी।

बिनोद कुमार सिंह

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पश्चिम एशिया की जंग, मध्य-पूर्व संकट- भारत की रसोई तक पहुँचा

पश्चिम एशिया का मौजूदा संकट यह दिखाता है कि वैश्विक राजनीति और ऊर्जा सुरक्षा एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं

भारत के लिए मौजूदा तेलीय पदार्थ संकट,ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भरता देश की आर्थिक स्थिरता के संकट की चेतावनी व ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अवसर भी प्रदान करता है

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को एक बार फिर अस्थिर कर दिया है। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष भर नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है।खाड़ी क्षेत्र में युद्ध के कारण दुनियाँ के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक,स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बाधा उत्पन्न हो गई है। यही मार्ग विश्व के बड़े हिस्से में तेल और गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करता है।इस मार्ग में व्यवधान का असर भारत के ईंधन बाजार पर सीधा पड़ा है। एलपीजी टैंकरों के फंस जाने,कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचने और गैस आपूर्ति में अनिश्चितता के कारण भारत के ऑटो- एलपीजी तथा औद्योगिक गैस बाजार में भारी दबाव पैदा हो गया है,ऐसे में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है. नई दरों के अनुसार घरेलू एलपीजी सिलेंडर 60 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 115 रुपए महंगा हो गया है।स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि सरकार को 5 मार्च 2026 को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 लागू करना पड़ा।सामान्य परिस्थितियों में यह कानून कम ही इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन मौजूदा संकट ने इसे फिर से सक्रिय करने के लिए सरकार को मजबूर कर दिया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दरअसल यह संकट केवल ऊर्जा बाजार का नहीं बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा और आम नागरिकों की दैनिक जरूरतों से जुड़ा हुआहै।भारत में करोड़ों परिवार रसोई गैस पर निर्भर हैं और औद्योगिक उत्पादन भी ऊर्जा आपूर्ति से सीधे जुड़ा हुआ है।ऐसे में पश्चिम एशिया की जंग भारत की रसोई और उद्योग दोनों के लिए सटीक गंभीर चुनौती बनकर सामने आई है। साथियों बात अगर हम भारत की ऊर्जा निर्भरताःआयात पर आधारित संरचना को समझने की करें तो भारत दुनियाँ की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसके साथ-साथ ऊर्जा की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। लेकिन देश की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि घरेलू स्तर पर तेल और गैस का उत्पादन सीमित है। भारत अपनी कुल तेल जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है।एलपीजी के मामले में भी स्थिति लगभग यही है। देश में हर साल लगभग 3 करोड़ 13 लाख टन एलपीजी की खपत होती है,जबकि घरेलू उत्पादन करीब 1 करोड़ 28 लाख टन ही है। इसका मतलब है कि लगभग 58 प्रतिशत एलपीजी आयात पर निर्भर है।इस आयात का लगभग 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भारत तक पहुंचता है। यह वही समुद्री मार्ग है जो ईरान और ओमान के बीच स्थित है और खाड़ी क्षेत्र से निकलने वाले तेल और गैस का प्रमुख रास्ता माना जाता है।जब इस मार्ग में युद्ध के कारण बाधा आई तो एलपीजी टैंकरों की आवाजाही रुक गई। परिणाम स्वरूप भारत में गैस आपूर्ति की स्थिति अचानक अस्थिर हो गई।सरकार के पास मौजूद बफर स्टॉक के आधार पर देश लगभग 25 से 30 दिन तक एलपीजी की जरूरत पूरी कर सकता है, लेकिन अगर आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रहती है तो संकट और भी बहुत गंभीर हो सकता है।

साथियों बात अगर हम कतर की एलएनजी सुविधा पर हमला और आपूर्ति संकट को समझने की करें तो, ऊर्जा संकट को और गहरा करने वाली एक अन्य घटना कतर की एलएनजी सुविधा पर हुए ड्रोन और मिसाइल हमले थे। कतर दुनियाँ के प्रमुख गैस निर्यातकों में से एक हैऔर भारत के लिए भी एलएनजी का महत्वपूर्ण स्रोत है।हमले में कतर की एलएनजी सुविधा को भारी नुकसान पहुंचा, जिसके बाद भारत की कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी ने कतर से गैस आपूर्ति पर फोर्स मैजर घोषित कर दिया। इसका मतलब यह हुआ कि अनुबंध होने के बावजूद गैस की आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई।इस घटना ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा के सामने एक नया संकट खड़ा कर दिया।एलएनजी और एलपीजी दोनों की आपूर्ति प्रभावित होने लगी, जिससे ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ गई।ऐसी स्थिति में सरकार के सामने दोहरी चुनौती थी एक ओर घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना और दूसरी ओर बाजार में जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकना। साथियों बात अगर हम आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955ः संकट में सरकार का सबसे बड़ा हथियार इसको समझने की करें तो, ऊर्जा संकट से निपटने के लिए सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 को लागू किया। यह कानून भारत में आवश्यक वस्तुओं केउत्पादन वितरण और व्यापार को नियंत्रित करने के लिए बनाया गया था।इस अधिनियम के तहत सरकार को यह अधिकार मिलता है कि वह किसी भी जरूरी वस्तु के उत्पादन,स्टॉक,वितरण और कीमतों पर नियंत्रण स्थापित कर सकती है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूडोकु नवताल- 7449

★★★★★ कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7448 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

दैनिक पंचांग

13 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2026 वर्ष का 72 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 06.30 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 03.03 बजे रात्र को समाप्त। **योग** व्यतीपात 10.32 बजे को समाप्त। **करण** गर 06.30 बजे तदनन्तर वणिज 19.25 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 01' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872647 **जूलियन दिन** 2461112.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 23

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.20 बजे से
चंद्र	धनु में	मेष	07.51 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.31 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.29 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.42 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.58 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.10 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.21 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.36 ब.से
		धनु	00.52 बजे से
		मकर	02.57 बजे से
		कुंभ	04.43 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

वैश्विक युद्धोन्माद के बीच विश्व शांति की पुकार

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संसद है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद, बहस और जवाबदेही का भी केंद्र है। ऐसे में यदि विपक्ष के प्रमुख नेता को अपनी बात रखने का अवसर न मिले, तो यह लोकतांत्रिक परंपराओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। हाल के दिनों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संसद में बोलने से रोकने को लेकर लगातार विवाद उठता रहा है। आखिर वो ऐसा क्या बोल देंगे जिससे सत्तापक्ष घबरा जायेगा ? मान लिया जाये कि उन्होंने कुछ कहा तो आप तो सत्तापक्ष है अपना बड़प्पन दिखाते हुए संसद में उन्हें सही कर दें? वहीं इससे लगता है कि सत्तापक्ष उन्हें अधिक फुटेज देना नहीं चाहता। कभी राहुल गांधी को पप्पू की संज्ञा देने में भाजपा ने करोड़ों खर्च कर दिए। वहीं राहुल गांधी ने एक परिपक्व नेता की तरह अपने को साबित कर दिया है कि उनके सवालों का जबाव भाजपा के पास नहीं है ?

विपक्ष का आरोप है कि जब भी राहुल गांधी सरकार की नीतियों, आर्थिक मुद्दों या विदेश नीति पर सवाल उठाना चाहते हैं, तब सत्ता पक्ष शोर-शराबा या प्रक्रियात्मक आपत्तियों के जरिए उनकी आवाज दबाने की कोशिश करता है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इसे लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ बताते हैं। उनका कहना है कि संसद में चुने हुए प्रतिनिधि को बोलने से रोकना जनता की आवाज को रोकने के समान है।

दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का तर्क अलग है। भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि राहुल गांधी कई बार ऐसे आरोप लगाते हैं जो तथ्यों पर आधारित नहीं होते या संसद की गरिमा के खिलाफ होते हैं। इसलिए जब तक वे अपने आरोपों के लिए ठोस प्रमाण नहीं देते, तब तक उन्हें बिना रोक-टोक बोलने देना उचित नहीं माना जाता। भाजपा नेताओं का यह भी कहना है कि संसद में नियम और प्रक्रियाएं हैं, जिनका पालन सभी सदस्यों को करना चाहिए।

इस पूरे विवाद में लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका भी चर्चा में रहती है। लोकसभा के स्पीकर पर विपक्ष अक्सर यह आरोप लगाता है कि वे सत्ता पक्ष के दबाव में विपक्ष को पर्याप्त समय नहीं देते। हालांकि स्पीकर का पक्ष यह रहता है कि वे केवल सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की कोशिश करते हैं और नियमों के अनुसार ही निर्णय लेते हैं।

असल प्रश्न केवल राहुल गांधी तक सीमित नहीं है। यह मुद्दा संसद में स्वस्थ बहस और संवाद की परंपरा से जुड़ा हुआ है। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की आवाज जरूरी होती है। यदि विपक्ष को बोलने का अवसर नहीं मिलेगा तो सरकार की नीतियों की समीक्षा और आलोचना कैसे होगी? वहीं विपक्ष को भी अपनी बात जिम्मेदारी और तथ्यों के आधार पर रखनी चाहिए।

लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि संसद में असहमति की आवाज को दबाया न जाए, बल्कि उसे सुना जाए और उस पर तर्कपूर्ण बहस हो। यदि संसद संवाद का मंच बनेगी तो लोकतंत्र मजबूत होगा, और यदि वहां केवल टकराव ही दिखाई देगा, तो यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की सेहत के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा।

कानून से आगे, लोकतंत्र का संवाद मंच

भारत की संसद केवल कानून बनाने की संस्था भर नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा का प्रतीक भी है। संसद वह मंच है जहाँ सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद, बहस और जवाबदेही की प्रक्रिया चलती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यहाँ जनता के प्रतिनिधि देश के विभिन्न मुद्दों पर खुलकर चर्चा करते हैं और सरकार से जवाब मांगते हैं।

संसद का मुख्य कार्य कानून बनाना अवश्य है, लेकिन इसकी भूमिका इससे कहीं व्यापक है। यहाँ सरकार की नीतियों की समीक्षा होती है, जनता की समस्याएँ उठाई जाती हैं और देश की दिशा तय करने वाली बहसें होती हैं। जब सत्ता पक्ष अपनी नीतियों और निर्णयों को संसद के सामने रखता है, तो विपक्ष का दायित्व होता है कि वह उन पर सवाल उठाए, उनकी आलोचना करे और आवश्यक सुधारों की मांग करे। यही प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत बनाती है।

विपक्ष का मजबूत और सक्रिय होना लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। यदि संसद में केवल सत्ता पक्ष की आवाज ही सुनाई दे और विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर न मिले, तो लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ सकता है। संसद में बहस और असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत होती है।

दुर्भाग्य से पिछले कुछ समय में संसद के कामकाज में व्यवधान, हंगामा और राजनीतिक टकराव अधिक देखने को मिलते हैं। इससे न केवल संसद की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर चर्चा भी बाधित होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा करती है कि वे संसद को संघर्ष का नहीं, बल्कि समाधान का मंच बनाएं।

आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को समझें। सरकार को विपक्ष की बात सुनने और संवाद की परंपरा को मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए, वहीं विपक्ष को भी रचनात्मक आलोचना और सार्थक बहस के माध्यम से लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाना चाहिए। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतंत्र की वह प्रयोगशाला है जहाँ विचारों का मंथन होता है और देश के भविष्य की दिशा तय होती है। यदि संसद में संवाद, बहस और जवाबदेही की संस्कृति मजबूत होगी, तभी लोकतंत्र भी सशक्त और जीवंत बना रहेगा।

क्या अपनी बात रखने के लिए विपक्ष को अविश्वास मत लाना होगा?

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संसद है, जहां सत्ता और विपक्ष दोनों को अपनी बात रखने, बहस करने और सरकार से जवाबदेही तय करने का अधिकार होता है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक संवाद का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम भी है। लेकिन यदि विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए बार-बार अविश्वास प्रस्ताव का सहारा लेना पड़े, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बन जाता है।अविश्वास प्रस्ताव का उद्देश्य सरकार की वैधता को चुनौती देना होता है। जब विपक्ष को लगता है कि सरकार ने जनता का भरोसा खो दिया है, तब वह संसद में अविश्वास मत लाता है। लेकिन यदि विपक्ष को केवल अपनी आवाज सुनाने के लिए ही इस कठोर संसदीय हथियार का इस्तेमाल करना पड़े, तो यह संसद की सामान्य कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

सौरभ वार्ष्णेय

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री योगी ने श्रीरामलला के किए दर्शन, परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की ली जानकारी

मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में संतों से भी मुलाकात कर पूछा कुशलक्षेम

अयोध्या, (एजेंसी) : गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किये। मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की की जानकारी भी ली।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अयोध्या पहुंचने पर सबसे पहले संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में संतों से भी मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री यहां सबसे पहले महंत प्रेमदास महाराज से मिले। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अन्य संतों से भी मिलकर उनका हालचाल जाना। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री श्रीराम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन किए, आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी ने श्रीराम मंदिर परिसर के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी का अयोध्या पहुंचने पर रामकथा पार्क हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान जनपद के प्रभारी मंत्री/कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, चंद्रभानु पासवान, अमित सिंह चौहान, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे।

भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति

की आज शाम बड़ी बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल और केरल में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकारी आवास पर आज शाम को भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी।पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में पश्चिम बंगाल और केरल में विधानसभा चुनावों के लिए संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा होगी। बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कमेटी में सदस्य के तौर पर हिस्सा लेंगे। बैठक में चुनावी रणनीति और उम्मीदवार चुनने पर आखिरी चर्चा होने की संभावना है।

भारत की पाक को दो-टूक, परमाणु प्रसार

के खराब रिकॉर्ड वाले न दें नसीहत

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारत ने कनाडा के साथ हुए यूरेनियम समझौते पर पाकिस्तान के आपत्ति जताने को खारिज किया है और पड़ोसी को नसीहत दी है कि खराब रिकॉर्ड वाले को नसीहत देने का कोई हक नहीं हैं। वहीं भारत की साख हमेशा से बेदाग रही है और दुनिया भी यह मानती है।विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हम इस मामले पर पाकिस्तान के बयान को खारिज करते हैं। परमाणु अप्रसार के संबंध में भारत की साख बेदाग है और वैश्विक समुदाय इसे भली-भांति मान्यता देता है। उन्होंने कहा, जिस देश का इतिहास गुपचुप तरीके से परमाणु प्रसार करने के पुख्ता सबूतों से भरा हो, वह भला निर्यात नियंत्रण और परमाणु प्रसार के जोखिमों के बारे में उपदेश कैसे दे सकता है? ऐसे बेतुके बयान पाकिस्तान द्वारा अपने ही बेहद खराब रिकॉर्ड से ध्यान भटकाने की एक कोशिश के अलावा और कुछ नहीं हैं।उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने भारत-कनाडा के बीच यूरेनियम आपूर्ति समझौते और परमाणु प्रौद्योगिकी सहयोग पर चिंता व्यक्त की है। साथ ही कहा है कि इस व्यवस्था से भारत के परमाणु हथियारों के जखीरे में विस्तार हो सकता है और वैश्विक परमाणु अप्रसार ढांचे को नुकसान पहुंच सकता है।

भारत में लाइकेन पतंगों की दो नई प्रजातियां खोजी गईं

कोलकाता,(एजेंसी) : भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) ने लेपिडोप्टेरा वर्ग की लाइकेन पतंगों की दो नई प्रजातियों की खोज कर कीट विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इसके साथ ही भारतीय हिमालय क्षेत्र से सात अन्य प्रजातियों का भी पहली बार दस्तावेजीकरण किया गया है। संस्थान के गुरुवार सुबह जारी बयान में बताया गया है कि इस शोध का प्रकाशन दो मार्च को एक अंतरराष्ट्रीय वर्गिकी शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इस अध्ययन में भारतीय वैज्ञानिकों की टीम ने इन नई प्रजातियों का वैज्ञानिक विवरण प्रस्तुत किया है। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण की निदेशक डॉ. धृति बनर्जी ने इस उपलब्धि को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह खोज भारत में पतंगों की जैव विविधता के दस्तावेजीकरण में अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि लेपिडोप्टेरा जैसे कम अध्ययन किए गए समूहों पर शोध पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यप्रणाली को समझने और हिमालयी क्षेत्र में वायु प्रदूषण के संकेतक जीवों की पहचान के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सदन की मयार्दा और परंपराओं को बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी: ओम बिरला

नई दिल्ली, (एजेंसी) :लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के बुधवार को ध्वनिमत से खारिज होने के बाद गुरुवार को अध्यक्ष के आसन पर बैठे। बिरला ने कहा कि भारत के संसदीय इतिहास में तीसरी बार लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर संकल्प आया और इस पर दो दिनों तक 12 घंटे से अधिक चर्चा हुई। उनका हमेशा प्रयास रहा है कि सदन के भीतर प्रत्येक सदस्य नियमों और प्रक्रियाओं के तहत अपने विचार व्यक्त कर सके और सभी को पर्याप्त अवसर मिले।

बिरला ने कहा कि यह सदन समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज बने। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 93 में अध्यक्ष के निर्वाचन का प्रावधान है और इस पावन सदन ने उन्हें दूसरी बार अध्यक्ष पद का दायित्व दिया। उनका प्रयास रहा है कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन और संतुलन के साथ संचालित हो। दस फरवरी को विपक्ष के कुछ सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था और उन्होंने अपने नैतिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रस्ताव के प्रस्तुतीकरण के साथ ही सदन की कार्यवाही से स्वयं को अलग कर लिया था।

उन्होंने कहा कि इस चर्चा के दौरान अनेक विचार, दृष्टिकोण और भावनाएं सामने आईं और उन्होंने सभी को गंभीरता से सुना। उन्होंने सदन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। बिरला ने स्पष्ट किया कि कुछ सदस्यों का मानना था कि प्रतिपक्ष के नेता सदन से ऊपर उठकर किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, लेकिन यह किसी को विशेष अधिकार नहीं है। सदन नियमों से चलता है और ये नियम न सरकार ने बनाए हैं, न प्रतिपक्ष ने, बल्कि सदन ने बनाए हैं और सभी सदस्यों पर समान रूप से लागू होते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री या मंत्रीगण भी यदि सदन में वक्तव्य देना चाहते हैं तो नियम 372 के तहत अध्यक्ष से अनुमति लेनी होती है। किसी सदस्य को नियमों से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार नहीं है। उन्होंने संसदीय परंपराओं

का जिक्र करते हुए कहा कि 1957 में जब अटल बिहारी वाजपेयी ने जम्मू-कश्मीर से संबंधित कुछ फोटो सदन में रखने चाहे तो स्पीकर ने पहले उन्हें दिखाने का निर्देश दिया और अटल जी ने उस-का सम्मान किया। उन्होंने 1958 में भी कई उदाहरण हैं जब बिना स्पीकर की अनुमति दस्तावेज सदन में नहीं रखे गए।बिरला ने कहा कि अध्यक्ष के निर्णय से कोई भी सदस्य सहमत या असहमत हो सकता है, लेकिन नियमों और परंपराओं को लागू करना उनका कर्तव्य है। जब भी कुछ सदस्य सदन की मयार्दा के विरुद्ध आचरण करते हैं तो उन्हें कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 105 का हवाला देते हुए कहा कि संसद में बोलने की आजादी है, लेकिन यह सदन द्वारा स्वीकृत नियमों और स्थाई आदेशों के अधीन है।

उन्होंने प्रतिपक्ष द्वारा माइक बंद करने के आरोपों पर कहा कि आसन के पास कभी भी माइक ऑन-ऑफ करने का बटन नहीं होता। जिस सदस्य को बोलने की अनुमति दी जाती है, उसी का माइक ऑन होता है। उन्होंने महिला सदस्यों के सम्मान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा महिला सांसदों को बोलने का पर्याप्त अवसर दिया और प्राथमिकता दी, लेकिन जब कुछ महिला सदस्य वेल पार कर ट्रेजरी बेंच की तरफ जाकर नारेबाजी कर रही थीं और बैनर दिखा रही थीं, तो अप्रत्याशित स्थिति बन सकती थी। इसलिए उन्होंने सदन की व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रधानमंत्री को बोलने से रोका।बिरला ने कहा कि उनका प्रयास हमेशा रहा है कि किसी सदस्य का निलंबन न हो, लेकिन सदन की व्यवस्था बनाए रखना भी उनकी जिम्मेदारी है। जब कठोर निर्णय लेने पड़ते हैं तो उनका मन दुखी होता है, लेकिन यह सोचना होगा कि ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि 1997 और 2001 में भी सदन की मयार्दा और गरिमा पर चर्चा हुई थी और सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया था कि नारेबाजी, पोस्टर दिखाना, कागज फाड़ना और अभद्र मुद्राओं का प्रदर्शन नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि उस समय सोनिया गांधी ने भी कहा था कि वेल में आने पर पूर्ण रोक लगनी चाहिए और उल्लंघन पर स्वतः अनुशासनात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। सदन की मयार्दा और परंपराएं बनाए रखना जरूरी है क्योंकि सदन का आचरण पूरे देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए उदाहरण होता है। मतभेद हो सकते हैं, लेकिन लोकतंत्र में व्यवस्था बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है।

बिरला ने कहा कि उन्हें अच्छा नहीं लगता कि बार-बार कहना पड़े कि तख्तियां दिखाना, नारे लगाना, कागज फाड़ना और मेजों पर चढ़ना संसदीय लोकतंत्र की परंपरा नहीं है। सदन और देश इस मत से सहमत नहीं है। उन्होंने आग्रह किया कि सदन में अच्छी परंपराओं और मयार्दाओं को बनाए रखने के लिए सामूहिक संकल्प लिया जाए और सामूहिक विचार-विमर्श हो। सदन को देखकर देश का विश्वास और भरोसा कायम रहता है और लाखों लोग अपेक्षा करते हैं। इसलिए हमें सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए।

कृषि नीति और नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी बढ़े : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसी) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि कृषि क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें नीति निर्माण, निर्णय-निर्धारण तथा नेतृत्व पदों में अधिक अवसर मिलना चाहिए। महिलाओं की व्यापक भागीदारी से कृषि क्षेत्र में लैंगिक समावेशी विकास को बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रपति गुरुवार को यहां ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन द रोल ऑफ वीमेन इन एग्री-फूड सिस्टम्स (जीसीडब्ल्यूएएस-2026) के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाएं बुवाई, कटाई, प्रसंस्करण और फसलों को बाजार तक पहुंचाने सहित कृषि की लगभग हर गतिविधि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके अलावा वे मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, पशुपालन, वन उत्पादों के उपयोग और कृषि आधारित उद्यमों के संचालन में भी लगातार योगदान दे रही हैं। महिलाएं कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अमूल्य योगदान देती हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में कुल छात्रों में 50 प्रतिशत से अधिक और अन्य विश्वविद्यालयों में 60 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं, जो शैक्षणिक प्रदर्शन में भी उत्कृष्ट हैं। ऐसे में स-रकार, समाज और कृषि क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है कि इन प्रतिभाशाली छात्राओं को प्रोत्साहन और समर्थन प्रदान किया

जाए, ताकि वे कृषि और खाद्य उत्पादन के क्षेत्र में नेतृत्व कर सकें।राष्ट्रपति ने कहा कि मातृत्व में नेतृत्व की भावना निहित होती है, लेकिन अक्सर इसे घर की सीमाओं तक ही सीमित मान लिया जाता है। इस सोच को बदलते हुए महिलाओं को कृषि क्षेत्र में नेतृत्व देने के लिए आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2026 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ द वुमन फार्मर घोषित किया है। इस-का उद्देश्य कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखला में लैंगिक अंतर को कम करना और महिलाओं की नेतृत्व भूमिका को बढ़ावा देना है।राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं को भूमि के औपचारिक स्वामित्व, तकनीकी ज्ञान, वित्तीय संसाधनों और अन्य सहयोगी व्यवस्थाओं से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि पिछले दशक में भारत ने महिलाओं को कृषि क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए कई पहल की हैं। महिला-नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देने वाली पहलें इस दिशा में प्रभावी साबित हुई हैं।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर ह्यपीपल, प्लेनेट, प्रॉस्पेरिटी, पीस और पार्टनरशिप को समान महत्व देने पर सहमति बनी है। पीपल के आयाम में लैंगिक समानता को विशेष प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कृषि सहित सभी क्षेत्रों में प्रभावी लैंगिक समावेशन से न केवल सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति होगी, बल्कि पृथ्वी को भी अधिक संवेदनशील और सामंजस्यपूर्ण बनाया जा सकेगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय कृषि में बहनों और बेटियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीज बोने से लेकर कटाई, भंडारण तक हर चरण में महिलाएं अग्रणी हैं। आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में कृषि शिक्षा की ओर आगे बढ़ रही हैं। इसी दिशा में आईसीएआर शीघ्र ही एक जेंडर प्लेटफॉर्म लॉन्च करने जा रहा है, जो पूरे देश के कृषि अनुसंधान नेटवर्क में महिला-केंद्रित शोध को नई गति और दिशा देगा। यह तीन दिवसीय सम्मेलन कृषि विज्ञान उन्नति ट्रस्ट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान सलाहकार समूह तथा पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का उद्देश्य कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भागीदारी को मुख्यधारा में लाने और इस दिशा में नीति-ढांचे को मजबूत करने पर विचार-विमर्श करना है।

उखरुल में बंधक बनाए गए 20 नागरिक रिहा

इंफाल (मणिपुर), (एजेंसी) :उखरुल ज़िले के शांगकाई गांव में एक हथियारबंद गुट द्वारा कथित तौर पर बंधक बनाए गए 20 नागरिकों को, इलाके में कई घंटों के तनाव के बाद गुरुवार सुबह सुरक्षित रिहा कर दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, उखरुल के इन बंधक यात्रियों को बचाया गया और सुबह करीब 4 बजे लिटान पुलिस स्टेशन में तांगखुल नागरिक समाज संगठनों को सौंप दिया गया। रिहाई के बाद, उन्होंने उखरुल के लिए अपनी वापसी की यात्रा शुरू कर दी।

इस घटना ने उखरुल जिले के कुछ हिस्सों में तनाव की स्थिति पैदा कर दी थी। बीते बुधवार को एक हथियारबंद गुट द्वारा कथित तौर पर लगभग 20 नागरिकों को बंधक बना लिया गया था। इस घटना के बाद, तांगखुल नागा लोंग (टीएनएल) जो एक प्रमुख नागा नागरिक संस्था है, ने राज्य और केंद्र सरकारों को दो घंटे का अल्टीमेटम जारी करते हुए नागरिकों को तत्काल बचाने की मांग की थी।

मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनम खेमचंद सिंह ने भी मानवीय आधार पर बंधकों की सुरक्षित रिहाई की अपील की थी। सूत्रों ने पुष्टि की कि नागरिकों को गुरुवार सुबह रिहा कर दिया गया, जिससे उनके परिवारों को राहत मिली और जिले में तनावपूर्ण स्थिति शांत हुई।

बावजूद जिले में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद हिंसा की घटनाएं आए दिन राज्य के किसी न किसी हिस्से में देखने को मिल रही है। राज्य सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद एक ऐसा धड़ा है जो राज्य में शांति व्यवस्था को कायम नहीं होने देना चाहता है।

लोगों का कहना है कि कुछ धार्मिक एवं उग्रवादी संगठन राज्य की शांति व्यवस्था के लिए एक बड़ा खतरा बन गये हैं। ऐसे तत्व अपनी महत्वाकांक्षा के लिए युवाओं को बरगलाकर माहौल को खराब करने की कोशिशों में जुटे हुए हैं।

रामेश्वरम के दो मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने किया गिरफ्तार

रामनाथपुरम, (एजेंसी) : रामेश्वरम के दो मछुआरों को सीमापार मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किया है। उनकी एक मोटरबोट भी जब्त कर ली गई। श्रीलंकाई नौसेना पहले भी कई बार ऐसा कर चुकी है। श्रीलंकाई नौसेना की इस कार्रवाई के बाद फिर से तनावपूर्ण स्थिति बन गई है।बताया गया है कि रामेश्वरम मछली पकड़ने के बंदरगाह से अनुमति लेकर कई मछुआरे समुद्र में मछली पकड़ रहे थे। तभी धनुष्कोडी और थलैमन्नार के बीच समुद्री क्षेत्र में मछली पकड़ रही एक मोटरबोट को श्रीलंकाई नौसेना ने घेरकर जांच की। भारतीय समुद्री सीमा पार कर मछली पकड़ने का आरोप लगाते हुए उस नाव और उसमें मौजूद मछुआरों को दबोच लिया। दोनों से पूछताछ की जा रही है।इस गिरफ्तारी से रामेश्वरम और आसपास के मछुआरा गांवों में चिंता का माहौल है। मछुआरों का कहना है कि समुद्र में जाने पर हर बार गिरफ्तारी का डर बना रहता है।सीमा पार मछली पकड़ने के आरोप में मछुआरों को गिरफ्तार करना और कई बार उनकी नौकाओं को जब्त करना उनकी आजीविका पर गंभीर असर डाल रहा है।इसके कारण मछुआरे और उनके परिवार मानसिक पीड़ा और आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। समुद्र पर निर्भर मछुआरों के लिए इस तरह की गिरफ्तारियां बड़ी मुश्किलें पैदा कर रही हैं। मछुआरों ने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। उन्होंने गिरफ्तार मछुआरों को तुरंत रिहा करने और उनकी नौकाएं वापस दिलाने की भी मांग की है।इसके अलावा भारत और श्रीलंका सरकारों के बीच बातचीत कर तमिलनाडु के मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थायी समाधान निकालने की भी मांग की गई है।

मेघालय : पूर्वी गारो हिल्स में हिंसा के दूसरे दिन कर्फ्यू में दी गई तीन घंटे की ढील

तुरा (मेघालय), (एजेंसी) : मेघालय के पूर्वी गारो हिल्स जिले में अधिकारियों ने गुरुवार सुबह तीन घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील दी। यह ढील गारो हिल्स ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (जीएचएडीसी) चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाया गया था, स्थिति में सुधार के चलते कर्फ्यू में ढील दी गई।

सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए पहले भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत लगाए गए कर्फ्यू में, निवासियों को जरूरी चीजें खरीदने की अनुमति देने के लिए सुबह 8 बजे से 11 बजे तक ढील दी गई।

उपायुक्त आरपी मराक ने कहा कि यह अस्थायी ढील लोगों को जरूरत की चीजें खरीदने में सक्षम बनाने के लिए दी गई थी, जबकि सुरक्षा बल संवेदनशील इलाकों में कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं।

आने वाले जीएचएडीसी चुनावों से जुड़े विरोध प्रदर्शनों के दौरान पश्चिमी गारो हिल्स के कुछ हिस्सों

में हिंसा भड़क उठी, जिसमें प्रदर्शनकारी चुनावों के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने में गैर-गारो समुदायों की भागीदारी का विरोध कर रहे थे।

बुधवार को ये झड़पें जानलेवा हो गईं, जब दक्षिण गारो हिल्स ज़िले के चिबिनांग इलाके में हिंसक झड़पों के दौरान भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने गोलीबारी की, जिसमें दो लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

इस अशांति के कारण गारो हिल्स क्षेत्र के कुछ हिस्सों में आगजनी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं भी हुईं, जिस-के चलते अधिकारियों को व्यवस्था बहाल करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करने पड़े, जिनमें सेना की पांच टुक-ड़ियां शामिल थीं, तीन तूरा शहर में और दो चिबिनांग में। बढ़ते तनाव के बीच, मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने घोषणा की कि 10 अप्रैल को होने वाले जीएचएडीसी चुनाव स्थगित कर दिए गए हैं।

राज्य सरकार ने अफवाहों को फैलने से रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के एहतियाती उपाय के तौर पर गारो हिल्स क्षेत्र के पांच ज़िलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं भी निलंबित कर दी हैं।

13-03-2026 T.P. Page 8_Layout 1 13-03-2026 08:22 Page 1

इन स्थानों को देखे बिना अधूरी ही रहेगी आपकी पुष्कर ट्रिप

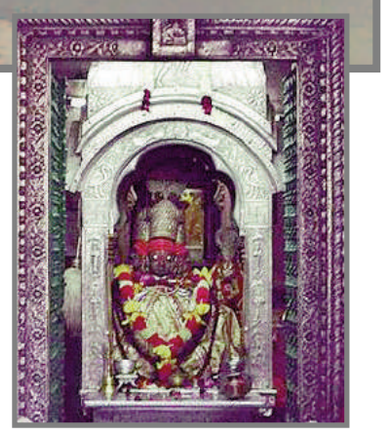

रेत, पहाड़, जंगल और झील का अनोखा संगम है राजस्थान के शहर पुष्कर में। वैसे तो पुष्कर 3 वजहों से- ऊंट का मेला, पवित्र और आध्यात्मिक पुष्कर झील में डुबकी और ब्रह्मा जी के मंदिर की वजह से दुनियाभर में मशहूर है। लेकिन कई और जगहें भी हैं जहां गए बिना आफकी पुष्कर की ट्रिप अधूरी है। रेत और झील से दिखता है बेहतरीन सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य हो, यहां का लजीज खाना हो या फिर चांदी के गहनों के लिए प्रसिद्ध यहां का बाजार..हर एक चीज आपको अपनी ओर आकर्षित करेगी।

ऊंट की सफारी : पुष्कर और आसपास के इलाकों में मौजूद रेगिस्तान और रेत में घूमने का सबसे बेस्ट तरीका है ऊंट की सवारी। ऊंट की सफारी का मजा लेना अपने आप में एक अमेजिंग एक्सपीरियंस है जिसे हर किसी को एक बार जरूर ट्राई करना चाहिए।

हॉट एयर बलून राइड : अगर आप पुष्कर मेले के समय पुष्कर जाएं तो हॉट एयर बलून की सवारी करना न भूलें। इस बलून के जरिए आपको मेले में मौजूद भीड़ से बचकर मेले का बेहतरीन नजारा देखना का अनुभव मिलेगा।

झील के किनारे बिताएं शाम : पुष्कर की शामें यहां की मशहूर झील के किनारे बैठकर गर्मा गर्म कॉफी पीते हुए बिताना बेहतरीन अनुभव है। आप अपने सामने सूरज को ढलते और शाम को बढ़ते हुए देख सकते हैं। जब मंदिर के पीछे सूरज ढलने लगता है और झील के पानी का रंग बदलता है तो उस नजारे को आंखों में कैद कर लेने का दिल करता है।

अजयपाल जी मंदिर के दर्शन : पुष्कर से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है अजयपाल जी का मंदिर। अजमेर शहर के संस्थापक राजा अजय पाल ने यह मंदिर 11वीं शताब्दी में बनवाया था। यह मंदिर चारों तरफ से संगमरमर के बड़े-बड़े पत्थरों से घिरा जिस वजह से यह मंदिर देखने में बेहद खूबसूरत है।

रत्नागिरी पहाड़ की चढ़ाई : पुष्कर की ट्रिप पर कुछ अडवेंचरस करने के मूड में हैं तो रत्नागिरी के पहाड़ियों पर पुष्कर झील से दक्षिण-पश्चिम की तरफ चढ़ाई करें। यह चढ़ाई करीब 1.5 किलोमीटर की है जिसे पूरा करने में 2 घंटे का वक्त लगता है। इस पहाड़ी की चोटी पर स्थित है सावित्री देवी मंदिर जो ब्रह्मा जी की पत्नी को समर्पित है।

कलबेलिया डांस का लुत्फ उठाएं : पुष्कर में दिन भर घूमने के बाद शाम में अपनी थकान मिटाने का सबसे बेस्ट तरीका है कलबेलिया डांस परफॉर्मेंस। यह राजस्थान का सबसे फेमस और भावुक डांस फॉर्म है जिसे यहां के कलबेलिया ट्राइब के लोग करते हैं।

नई व्यवस्था

तीन घंटे ही होगा ताजमहल का दीदार,

एक अप्रैल से लागू होंगे नए नियम

ताजमहल देखने के लिए 30 से 40 हजार पर्यटक आते हैं और अवकाश एवं विशेष अवसरों पर यह संख्या करीब 1 लाख तक पहुंच जाती है। जब भी बात उत्तरप्रदेश पर्यटन की होती है, तो आगरा के ताजमहल के बारे में भी जरूर बात की जाती है। पिछले दिनों भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ताजमहल के संरक्षण के लिए काफी बदलाव किए। इन नए नियमों के तहत आने वाले पर्यटकों की संख्या हर दिन 40,000 सीमित करना शामिल रहा। वहीं अब टिकट लेकर केवल तीन घंटे की अधिकतम सीमा तक ही आप ताजमहल परिसर में ठहर सकते हैं।

आगामी अप्रैल माह से यदि आप ताजमहल देखने जाएंगे तो आपको तीन घंटे के भीतर ही पूरा परिसर देखकर बाहर आना होगा। साथ ही इसके पर्यटक टिकट में भी मामूली बढ़ोत्तरी होने जा रही है। ताजमहल परिसर में प्रवेश के लिए टिकट का मूल्य 40 रुपए से बढ़ाकर 50 रुपए किया जाएगा। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट की कीमत 1000 रुपये है। वहीं जो भारतीय 40,000 की संख्या पार होने के बाद भी ताजमहल देखना चाहते हैं, वे 1000 रुपये का टिकट खरीदकर ताजमहल देख सकते हैं।

ताजमहल देखने के लिए लेना पड़ेगा 1000 का टिकट! घूमने से पहले जान लीजिए ये नए नियम

अधिकारियों का कहना है कि आम दिनों में ताजमहल देखने के लिए 30 से 40 हजार पर्यटक आते हैं और अवकाश एवं विशेष अवसरों पर यह संख्या करीब एक लाख तक पहुंच जाती है। इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करना कोई आसान नहीं होता। ताजमहल में पर्यटकों के प्रवेश से निर्धारित समय से आधे घंटे पहले टिकट खिड़कियां खुलेंगी और बंद होने के निर्धारित समय से आधे घंटे पहले बंद हो जाएंगी। इससे भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा। वहीं ऊंचे मूल्य वाले टिकट की भी व्यवस्था की जाएगी और ऐसे पर्यटकों को विशेष सुविधा दी जाएगी।

स्पेन में एक ऐसा बियर बार है, जहां पर आप सिर्फ बियर पी ही नहीं सकते बल्कि यहां नहा भी सकते हैं. घूमने-फिरने के शौकीन लोग, हमेशा नई जगहों की तलाश में रहते हैं. उन्हें किसी दिलचस्प जगहों के बारे में जानने का बड़ा ही शौक होता है. दुनिया का सबसे ऊंचा टॉवर हो या आलीशान इमारत, वो हर जगह घूमना चाहते हैं. आइए, हम आपको बताते हैं ऐसी ही दिलचस्प जगह के बारे में.

स्पेन में लें बियर स्पा का मजा दिलचस्प जगहों पर घूमना न भूलें

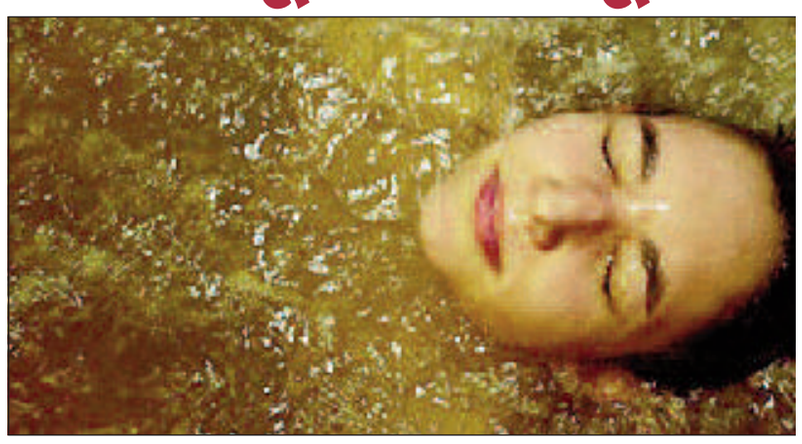

स्पेन में बियर बार स्पा : स्पेन में एक ऐसा बियर बार है, जहां पर आप सिर्फ बियर पी ही नहीं सकते बल्कि यहां नहा भी सकते हैं. स्पेन के ग्रनाडा शहर में खुला है पहला बियर स्पा जहां कस्टमर्स बियर के टब में नहाते हुए बियर पीने का लुत्फ उठा सकते हैं. ऐंटिऑक्सिडेंट्स और विटामिन बी से भरपूर बियर आपकी स्किन और बालों के लिए भी बहुत अच्छी मानी जाती है. यूरोप में वैसे भी बियर स्पा काफी मशहूर और अक्सर लोग स्ट्रेस कम करने और रिलैक्स करने के मकसद से यहां आते हैं. इन बातों के लिए भी खास है स्पेन

ग्रनाडा : इतिहास के पन्नों में मुस्लिम साम्राज्य के दौरान यह स्पेसन का सबसे बेजोड़ शहर हुआ करता था और आज भी है. इस शहर की पाक कला, वास्तु कला और शिल्प कला पर अरबी प्रभाव देखा जा सकता है. यूरोप का सबसे खूबसूरत महल अहम्बरा भी यहीं मौजूद है. यह अपने अनोखे मौसम, बर्फ से ढके पहाड़ों और खूबसूरत बीचों के लिए भी जाना जाता है.

बार्सिलोना : स्पेन के सबसे पसंदीदा शहरों में से एक बार्सिलोना सिटी यहां आने वालों को कई तरह से पसंद आती है जैसे, यहां साल भर नई-नई डिशेज, फैशन और म्यूजिक की धूम रहती है. यह शहर खासतौर से अपनी फुटबॉल टीम के लिए मशहूर है. मशहूर आर्किटेक्ट एंटोनी गाओदी द्वारा बनाई गई इमारतें बहुत ही खूबसूरत हैं.